राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 30 जून 2023 वर्ष–6,अंक–156 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रसिद्ध लोक गायक साईचंदर का दिल का दौरा पड़ने से निधन

हैदराबाद। तेलंगाना के प्रसिद्ध लोक गायक एवं राज्य भंडारण निगम के अध्यक्ष वी साईचंदर का गुरुवार को यहां एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 39 वर्ष के थे। साईचंद के नाम से प्रसिद्ध लोक गायक के परिवार में पत्नी, बेटी और एक बेटा है। मुख्यमंत्री के चन्द्रशेखर राव ने अपने शोक संदेश में तेलंगाना आंदोलन के प्रसिद्ध गायक एवं जन कलाकार साईचंदर, के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।उन्होंने कहा कि श्री साईचंदर की कम उम्र में मृत्यु अत्यंत दुखद है। तेलंगाना समाज ने एक महान गायक और कलाकार खो दिया। तेलंगाना सांस्कृतिक आंदोलन के दौरान साईचंदर की भूमिका अमर रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री साईचंदर के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बिना उनकी सार्वजनिक सभाएं संभव नहीं होती थी। श्री साईचंदर तेलंगाना आंदोलन के शुरुआती दिनों से लेकर आज तक एक गायक के रूप में सक्रिय भूमिका निभाते रहे।उन्होंने ईश्वर से शोक संतप्त परिजनों को इस त्रासदी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। श्री राव ने कहा कि शोक संतप्त परिवार को हर तरह का समर्थन दिया जाएगा। श्री साईचंदर को दिसंबर 2021 में तेलंगाना राज्य भंडारण निगम के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं मंत्री के टी रामाराव (केटीआर) , कृषि मंत्री एस निरंजन रेड्डी, वित्त मंत्री टी हरीश राव, विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी, परिषद के अध्यक्ष जी सुखेंद्र रेड्डी, राज्यसभा सदस्य जे संतोष कुमार, राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार और अन्य नेताओं ने दिवंगत कलाकार को श्रद्धांजलि दी। केटीआर ने प्रसिद्ध लोक गायक के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें तेलंगाना का एक प्रतीक बताया, जिसका नाम राज्य के इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज हो गया ।

‘एकजुटता और सद्भाव की भावना रहे कायम’

पीएम मोदी ने कुवैत के प्रिंस को पत्र लिखकर दी मुबारकबाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को देशवासियों को ईद-उल-अजहा /बकरीद की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह दिन आप सभी के लिए सुख और समृद्धि लाए। साथ ही हमारे समाज में एकजुटता और सद्भाव की भावना को भी कायम रखे।पीएम ने कुवैत के नेताओं को दी शुभकामनाएं

वहीं, पीएम मोदी ने ईद उल-अजहा के मौके पर कुवैत के नेताओं और वहां के लोगों को भी शुभकामनाएं दीं। कुवैद के आमिर शेख नवाफ, कुवैद के क्राउन प्रिंस शेख मिशाल, कुवैत के प्रधानमंत्री शेख अहमद नवाफ और कुवैत के नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। कुवैत में भारतीय दूतावास ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ईद उल

अजहा के पवित्र त्योहार पर शुभकामनाएं दीं। दूतावास ने कहा कि पीएम ने कहा कि यह पवित्र त्योहार भारत में लाखों मुसलमानों द्वारा मनाया जाता है। यह हमें त्याग, करुणा और भाईचारे के मूल्यों की याद दिलाता है, जो एक शांतिपूर्ण और समावेशी दुनिया के निर्माण के लिए आवश्यक हैं, जिसकी हम सभी इच्छा रखते हैं।

पीएम मोदी ने शेख हसीना को दी शुभकामनाएं

इसके साथ ही पीएम मोदी ने बुधवार को ईद-उल-अजहा के पवित्र त्योहार के मौके पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पवित्र त्योहार भारत और बांग्लादेश के लोगों को और भी करीब लाएगा। बता दें कि ईद उल अजहा को बलिदान के त्योहार के रूप में मनाया जाता है। ये दिन दुनिया भर के मुसलमानों के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। यह इस्लामिक कैलेंडर के आखिरी महीने जुल-हिज्जा के 10वें दिन पड़ता है।

‘फोन पे’ कंपनी के शिकायत करने की स्थिति में होगी कार्रवाई : गृह मंत्री

भोपाल। मध्यप्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने आज कहा कि अगर ‘फोन पे’ कंपनी शिकायत करेगी तो सरकार उस शिकायत पर निश्चित रूप से कार्रवाई करेगी। डॉ मिश्रा ने संवाददाताओं से चर्चा में कहा कि ये राजनीति का विद्रूप चेहरा है। कांग्रेस के लोग सीसीटीवी फुटेज में ये पोस्टर लगाते दिखाई दे रहे हैं। छिंदवाड़ा, बुरहानपुर और ग्वालियर में फुटेज में कांग्रेस के कार्यकर्ता स्पष्ट दिख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अब उस कंपनी से ही चेतावनी मिल रही हैं। अगर ये कंपनी शिकायत करेगी तो निश्चित तौर पर सरकार उस पर कार्रवाई करेगी। दरअसल राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में कुछ दिन पहले ‘फोन पे’ कंपनी से जुड़े कुछ पोस्टर लगे पाए गए थे, जिनके माध्यम से प्रदेश सरकार पर वार किया गया था। हालांकि ये अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि ये पोस्टर किसने लगाए हैं, लेकिन ‘फोन पे’ कंपनी ने इस मामले में ट्वीट करते हुए मध्यप्रदेश कांग्रेस से कहा है कि वह इन पोस्टरों को फौरन हटाए क्योंकि इनमें उस कंपनी का नाम दर्ज है। कंपनी ने अपना लोगो इस्तेमाल किए जाने की स्थितियों में वैधानिक कार्रवाई की भी चेतावनी दी है।

मस्जिदों में लोगों ने नमाज पढ़ी, एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी

नई दिल्ली। देश में ईद अल-अजहा यानी बकरीद का त्योहार मनाया जा रहा है। देशभर के मस्जिदों और दरगाह में लोग सुबह ईद की नमाज में शामिल हुए। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। नमाज के बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू होगा।

पीएम मोदी ने दी ईद की मुबारकबाद- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर ईद की मुबारकबाद दी। उन्होंने लिखा- ईद-उल-अजहा के मौके पर शुभकामनाएं। उम्मीद करता हूं कि ये दिन सभी की जिंदगी में खुशी और बरकत लेकर आए। ये दिन हमारे समाज में भाईचारा और एकता बनाए रखे।

नदी में बह गया 16 करोड़ का पुल, कैमरे में कैद हुई घटना; अधिकारी दे रहे सफाई

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शिवनाथ, आमनेर और सागनी नदी के संगम पर स्थित सगनी घाट पर 16 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा पुल बह गया। निर्माणाधीन पुल के नदी में बह जाने का नजारा एक स्थानीय व्यक्ति के मोबाइल कैमरे में कैद हो गया। उस व्यक्ति का कहना है कि इलाके में पिछले 4 दिन से बारिश हो रही थी। वह घाट पर नदी का जलस्तर देखने गया था और इसे फिल्मा भी रहा था, तभी वहां सिल्ली और ननकट्टी गांव को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा पुल ढह गया और बहने लगा। अधिकारियों ने उक्त वीडियो पर कहा कि अभी पुल में केवल स्टेजिंग और शटरिंग का काम किया गया था। उसमें कंक्रीट नहीं डला था। अधिकारी ने बताया कि ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

सगनी घाट पर 16 करोड़ की लागत से बन रहा था पुल

मिली जानकारी के 16 करोड़ रुपये की लागत से दुर्ग जिले के सगनी घाट पर बन रहे पुल का निर्माण कार्य 11 नवंबर 2020 को शुरू हुआ था और इसे 11 अप्रैल 2022 तक पूरा हो जाना चाहिए था। इसका मतलब

है कि पुल निर्माण पहले ही डेडलाइन की सीमा को 1 साल पार कर चुका है। जो वीडियो सामने आया है उसमें साफ देखा जा सकता है कि पहले तो निर्माणाधीन पुल ढहकर मलबे में तब्दील हो जाता है और फिर नदी में बह जाता है। घाट पर इस दौरान काफी संख्या में स्थानीय लोग भी खड़े दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि दुर्ग जिले में पिछले 4 दिन से लगातार बारिश हो रही है। मोगरा जलाशय से 24,000 क्यूसेक पानी शिवनाथ नदी में छोड़ा गया है। अधिकारियों का तर्क है कि इस अचानक आए पानी का प्रवाह पुल का ढांचा नहीं सह सका और बह गया।

एक्जीक्यूटिव इंजीनियर ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

जिले में पुल विभाग के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर डीके माहेश्वरी ने बताया कि ठेकेदार को मानसून से पहले काम पूरा करने को कहा गया था लेकिन वह ऐसा करने में सफल नहीं रहा। उन्होंने कहा कि सभी ठेकेदारों को विभाग की ओर से स्पष्ट निर्देश है कि यह जरूरी काम मानसून से पहले निपटा लिए जाएं लेकिन इसकी अनदेखी की गई। यही वजह है कि जब पानी का प्रवाह आया तो संरचना बह गई। उन्होंने कहा कि फिलहाल उसमें केवल स्टेजिंग और शटरिंग का काम किया गया था।

खडगे, राहुल, प्रियंका ने दी ईद पर मुबारकबाद

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ईद-उल-अजहा पर मुबारकबाद देते हुए देश में शांति, प्रगति, खुशहाली और समृद्धि की कामना की है। खडगे ने कहा ईद-उल-अजहा का त्यौहार त्याग, विश्वास और क्षमा के महान मूल्यों का प्रतीक है। खुशी के इस अवसर पर, आइए हम सभी भाईचारे के बंधन को मजबूत करने और एक शांतिपूर्ण, सामंजस्यपूर्ण और प्रगतिशील समाज का निर्माण करने का दृढ़ संकल्प लें। ईद मुबारक। गांधी ने कहा ईद मुबारक। यह शुभ अवसर सभी के लिए शांति, समृद्धि और खुशहाली लाए। वाड्रा ने कहा ईद की दिली मुबारकबाद। ये पावन त्यौहार सबके जीवन में ढेर सारी खुशियां, बरकत और अमन लेकर आए।

दिल्ली-देहरादून हाईवे 4 जुलाई से हो जाएगा वनवे, वाहन चालक घर से निकलने से पहले जान लें रूट

गाजियाबाद। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर कांवड़ यात्रा को लेकर बुधवार को जोन का रूट डायवर्जन प्लान जारी कर दिया गया। यह प्लान 4 जुलाई से लागू होकर 16 जुलाई की शाम छह बजे तक प्रभावी रहेगा। दिल्ली-देहरादून हाईवे (एनएच-58) 4 जुलाई से वन वे होगा, जबकि 9 जुलाई से सामान्य वाहनों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा।

कांवड़ यात्रा के नोडल अधिकारी/एसपी ट्रैफिक जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि हरिद्वार से दिल्ली जाने वाले वाहन झबरेडा, देवबंद, रामपुर तिराहा से पचेण्डा बाईपास, भोपा बाइपास, सिखेड़ा, जानसठ, मीरापुर, रामराज से कस्बा मवाना पुलिस चौकी, किठौर, साईलो पुलिस चौकी द्वितीय, हापुड़, पिलखुआ,

डासना तिराहा, विजयनगर बाइपास एनएच 24 से यूपी गेट के रास्ते दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली से इसी रूट से वापसी करेंगे।

देहरादून जाने के लिए- जिन वाहनों को देहरादून जाना है, वह देवबंद से तल्हेडी बुजुर्ग, नांगल, गागलहेडी, सैयद माजरा होते हुए छुटमलपुर से देहरादून पहुंच सकेंगे। वापसी भी इसी रूट पर होगी।

बिजनौर से दिल्ली-ऐसे वाहन बिजनौर, मीरापुर, रामराज, कस्बा मवाना पुलिस चौकी, कस्बा किठौर, साईलो पुलिस चौकी द्वितीय, हापुड़, पिलखुआ, डासना तिराहा, विजयनगर बाईपास एनएच-24 से यूपी गेट के रास्ते दिल्ली जाएंगे। इसी रूट से वाहन वापसी भी करेंगे।

मुरादाबाद से वाया बुलंदशहर होकर दिल्ली- ऐसे वाहन जिन्हें मुरादाबाद से बुलंदशहर के रास्ते दिल्ली जाना है, वह अनुपशहर, बुलंदशहर, सिकंद्राबाद, दादरी, नोएडा होते हुए दिल्ली तक जाएंगे और वापसी भी इसी रूट से करेंगे।

मुरादाबाद से हरियाणा पश्चिम- ऐसे वाहन अनुपशहर, बुलंदशहर, सिकन्द्राबाद, दादरी, इस्टर्न पैरीफेरल एक्सप्रेस-वे से नोएडा से हरियाणा पश्चिम पहुंचेंगे। वापस मुरादाबाद पहुंचने के लिए इसी रूट का प्रयोग करना होगा।

कौन हैं सुनीता विश्वनाथ, जिनके साथ राहुल गांधी की तस्वीर दिखा स्मृति इरानी ने घेरा; क्या है पाकिस्तानी कनेक्शन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेरिकी दौरे पर सवालिया निशान लगाए हैं। बुधवार को ही केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें सुनीता विश्वनाथ नाम की महिला नजर आ रही हैं। साथ ही भाजपा ने सवाल पूछा है कि आखिर कांग्रेस नेता को विश्वनाथ से मुलाकात की क्या जरूरत पड़ गई। इसके अलावा एक बार फिर अरबपति जॉर्ज सोरोस के नाम भी चर्चाएं भारतीय सियासत में हो रही हैं।

कौन हैं सुनीता विश्वनाथ-सुनीता विश्वनाथ हिंदूज फॉर ह्यमून राइट्स की सह संस्थापक हैं। साथ ही वह इंडियन अमेरिका मुस्लिम काउंसिल यानी IAMC जैसे कट्टर संगठनों के कार्यक्रमों से भी जुड़ी रही हैं। खास बात है कि संसद से राहुल की सदस्यता जाने पर ट्रूथ्स ने भी सवाल उठाए थे और अमेरिकी राष्ट्रपति से दखल देने की मांग की थी।

इसके अलावा विश्वनाथ आबाद- अफगान वीमन फॉरवर्ड की भी सह संस्थापक हैं। साल 2020 में कोलंबिया विश्वविद्यालय की रिलीजियस लाइफ एडवाइजर बनाए जाने के बाद वह काफी विवादों में आ गईं थीं। सोशल मीडिया पर विश्वनाथ पर सोरोस की एजेंट या प्रॉक्सी होने के भी आरोप लगते रहे हैं। आरोप हैं कि अफगान वीमन को सोरोस से ही फंड मिले थे। विश्वनाथ की पहली शादी लेखक सुकेतू मेहता और

दूसरी शादी स्टीफन शॉ से हुई थी।

पाकिस्तानी कनेक्शन

संडे गार्जियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, IAMC और इस्लामिक सर्कल ऑफ नॉर्थ अमेरिका का इस्तेमाल लंबे समय से भारत के खिलाफ किया जाता रहा है। एक ओर जहां IAMC के प्रमुख रशीद अहमद हैं, जो इस्लामिक मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी भी थे। IMANA के डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशन्स जाहिद महमूद पाकिस्तानी नौसेना के पूर्व अधिकारी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, IAMC ने वॉशिंगटन डीसी में भारत के खिलाफ लॉबी के लिए फिडेलिस गवर्नमेंट रिलेशन्स को नियुक्त किया था। कहा गया है कि 2013 और 2014 में IAMC ने FGR को सेवाओं के लिए 40 हजार डॉलर का भुगतान भी किया था।

राहुल की सदस्यता पर IAMC की प्रतिक्रिया- 25 मार्च 2023 को IAMC ने ट्वीट किया, भारतीय संसद से राहुल गांधी की अयोग्यता लोकतंत्र के सिद्धांतों का उल्लंघन है और भारत के फासीवादी राज्य बनने की डरावनी याद दिलाती है। यह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि हर उस शख्स पर हमला है, जो मोदी शासन का आलोचक है। एक अन्य ट्वीट में IAMC ने लिखा, हम अमेरिका के राष्ट्रपति और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस घटनाक्रम पर ध्यान देने और भारत में लोकतंत्र और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए बोलने की अपील करते हैं।

संपादकीय

शेयर से टमाटर तक

दुनिया में इन दिनों आर्थिक स्थिति कुछ सुधरी है, जिसका असर विश्व के ज्यादातर शेयर बाजारों पर पड़ने लगा है। बुधवार को भारतीय शेयर बाजारों में भी रिकॉर्ड तेजी देखी गई है। सेंसेक्स जहां 64,000 अंकों तक पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी भी पहली बार 19,000 अंकों के पार चढ़ गया। वास्तव में, अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं भी कुछ संभली हैं, वहीं चीन ने भी अपने यहां अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए प्रोत्साहन का सहारा लिया है, जिसके चलते भारत में भी शेयर कारोबार में तेजी आ गई है। भारत में आंतरिक संकेत भी अच्छे हैं। देश की कुछ दिग्गज कंपनियां अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, इसके अलावा एचडीएफसी बैंक से जुड़े बड़े विलय से भी शेयर बाजार में हलचल बढ़ी है। शेयर बाजार की बढ़त को बुनियादी रूप से चौतरफा प्रेरणा मिल रही है। विदेशी संस्थागत निवेशकों का विश्वास भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ा है। अमेरिका से और बेहतर होते रिश्ते व भारत की बढ़ती अहमियत की भी अपनी भूमिका है। भारतीय कंपनियों को कोशिश करनी चाहिए कि आने वाले दिनों में शेयर बाजार की बढ़त जारी रहे। अभी पांच महीने पहले ही हिंडनबर्ग की सनसनीखेज रिपोर्ट के बाद भारतीय शेयर बाजार बुरी तरह प्रभावित हुए थे। तब सेंसेक्स 59,300 अंकों तक गिर गया था। आज अगर मुंबई शेयर बाजार का सूचकांक 64 हजार के ऊपर है, तो भारतीय कंपनियों को सबक लेना चाहिए। भारतीय शेयर बाजार कहीं से भी जुए का अड्डा न रहें, पूरी चाक-चौबंद निगरानी के साथ कंपनियों को अपना कारोबार करना चाहिए, ताकि विदेशी निवेशकों का भी भारतीय बाजार पर विश्वास दृढ़ रहे। आज भारत को अपने विकास को गति देने के लिए निवेश की बहुत जरूरत है। एक्सचेंज डाटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 2,024.05 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। मतलब, पैसे ने भारत की ओर फिर रुख कर लिया है और यह रुझान बने रहना चाहिए। भारत को अगर विकसित देश बनना है, तो उसकी कम से कम पांच सौ कंपनियों को विश्वसनीयता के साथ बेहतर प्रदर्शन करना पड़ेगा। जिन कंपनियों के शेयर आज बाजार में बढ़त के बावजूद नीचे हैं, उन्हें विचार करना चाहिए। सरकारी या अर्द्ध-सरकारी उद्यमों को अपनी हालत पर गंभीरता से गौर करना चाहिए। ऐसा हो नहीं सकता कि निजी कंपनियां चांदी काटें और सार्वजनिक क्षेत्र की ज्यादातर कंपनियों के शेयर लाल नजर आएं। बहरहाल, बाजार की बात चल रही है, तो टमाटर की चर्चा से कैसे बचा जा सकता है! इस देश में टमाटर की कीमत दस रुपये से बीस रुपये प्रति किलोग्राम होनी चाहिए, लेकिन गरमी, बारिश और बाजार का खेल ऐसा है कि टमाटर की कीमत 80 रुपये के पार चली गई है और कहीं-कहीं तो सौ रुपये में भी एक किलोग्राम टमाटर नहीं मिल रहा है। मौसम ऐसा है कि टमाटर ही नहीं, अन्य सब्जियों के दाम में भी बढ़त का रुख है। तमिलनाडु में तो सरकार टमाटर को उचित कीमत पर बेचने का जतन कर रही है। आने वाले दिनों में सभी सरकारों को सजग रहना होगा, ताकि टमाटर के भाव अतार्किक रूप से बढ़ न पाएं। कारोबारी यह संकेत दे रहे हैं कि आने वाले दिनों में टमाटर की उपलब्धता कम रह सकती है और कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है, अतः जैसे शेयर बाजार में आम निवेशकों को सावधानी से निवेश करना चाहिए, वैसे ही सब्जियों के बाजार में भी लोगों को महंगी चीजों से बचते हुए जरूरत के हिसाब से खर्च करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

एमएसपी को कानूनी गारंटी में किसान की खुशहाली

देविंदर शर्मा

सूरजमुखी की समर्थन मूल्य पर खरीद से शुरुआती इनकार, फिर 'उचित' मूल्य भुगतान का समझौता, और वह भी प्रदर्शनकारी किसानों के सड़कों पर उतर आने के बाद- यह किसानों के विरुद्ध सरकारों का पूर्वाग्रह को ही दर्शाता है। हालांकि इसकी जड़ें 1930 के दशक में उन दिनों तक जाती हैं जब उद्योगपतियों का एक बॉम्बे क्लब नामक समूह कभी यह यकीनी बनाने की दिशा में काम करता था कि खाद्य पदार्थों की कीमतें कम रखी जाएं ताकि वेतन कम रखे जा सकें। दरअसल बरसों से कृषि को दरिद्र बनाए रखकर खाद्य कीमतों को कम रखने की यही आर्थिक सोच हावी रही है।

आखिरकार, हरियाणा सरकार किसानों को सूरजमुखी की 'उपयुक्त' कीमत अदा करने पर सहमत हो गयी है। कुछ समय पूर्व किसान इस मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे, और सरकार इनकार करती रही थी। किसानों ने विरोध जताने के लिए चंडीगढ़-दिल्ली हाईवे को बाधित किया, यातायात खुलवाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। किसान नेताओं को हिरासत में भी लिया। आंदोलनकारी किसानों ने सूरजमुखी की फसल के उचित भाव की मांग को लेकर एकजुटता दर्शायी। जबकि हरियाणा सरकार ने दावा किया था कि वह भावांतर भरपाई स्कीम के तहत किसानों को क्षतिपूर्ति दे रही थी लेकिन किसान पूर्व घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ही फसल की खरीद किये जाने पर अड़िग थे। बतौर एमएसपी 6400 रुपये प्रति क्विंटल के बजाय किसानों को अपनी फसल 4200 से 4800 रुपये प्रति क्विंटल के बीच बेचने को मजबूर किया जा रहा था। यहां तक कि राज्य सरकार के वादे के मुताबिक प्रति क्विंटल एक हजार रुपये क्षतिपूर्ति मिलने के बाद भी किसानों को प्रति क्विंटल 600 रुपये या उससे कुछ ज्यादा घाटा था। इससे सूरजमुखी उत्पादकों में वाजिब गुस्सा था। सूरजमुखी की समर्थन मूल्य पर खरीद से शुरुआती इनकार, फिर 'उचित' मूल्य भुगतान का समझौता, और वह भी प्रदर्शनकारी किसानों के सड़कों पर उतर आने के बाद- यह किसानों के विरुद्ध सरकारों का पूर्वाग्रह को ही दर्शाता है। हालांकि इसकी जड़ें 1930 के दशक में उन दिनों तक जाती हैं जब उद्योगपतियों का एक बॉम्बे क्लब नामक समूह कभी यह यकीनी बनाने की दिशा में काम करता था कि खाद्य पदार्थों की कीमतें कम रखी जाएं ताकि वेतन कम रखे जा सकें। दरअसल बरसों से कृषि को दरिद्र बनाए रखकर खाद्य कीमतों को कम रखने की यही आर्थिक सोच हावी रही है। इसलिए आर्थिक सुधारों को व्यवहार्य बनाए रखने को या कहें कि कंपनियों को मुनाफा कमाने की इजाजत देने के लिए कृषि को दांव पर लगाया जा रहा है। हरियाणा का घटनाक्रम समझ से परे है कि पहले तो किसानों की उपयुक्त रेट की न्यायोचित मांग को नकार दिया गया और फिर सड़कों पर हंगामे के बाद सही कीमत देने को राजी भी हो गये। यह शुरू में ही क्यों नहीं किया गया? एमएसपी किसानों का हक है। यदि सरकार ने अपना कर्तव्य निभाया होता तो कोई वजह ही नहीं थी कि किसान राजमार्ग पर आकर विरोध प्रदर्शन करते। वास्तव में, मैंने आज तक कभी किसी कॉरपोरेट दिग्गज को अपने बेड लोन की माफी को लेकर नई दिल्ली के जंतरमंतर पर प्रदर्शन करते नहीं देखा? यह भी कि दस वर्षों के 12 लाख करोड़ रुपये के बीमार कॉर्पोरेट ऋण को बिना किसी विरोध बैंक के रजिस्टर से कैसे हटा दिया गया? इतना ही काफी नहीं, आरबीआई ने जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों के लिए 'समझौता निपटान' की इजाजत दी है, जिनके पास भुगतान सामर्थ्य है लेकिन वे नहीं करते ताकि एक वर्ष बाद नए सिरे से लोन ले सकें। जबकि कृषि कर्ज पर डिफ़ॉल्टर हो जाने पर किसानों को नियमित तौर पर सलाखों के पीछे भेजा जाता है, जाहिर है आरबीआई चहेते पूंजीपतियों के लिए 'कवच' का काम करता है। मुझे खुशी है, ऐसे में जब मुख्यधारा के अर्थशास्त्री इस विकृति को लेकर साफ तौर पर चुप हैं, बैंक संघ खुले तौर पर आरबीआई की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। यह भेदभाव आर्थिक विश्लेषण में भी स्पष्ट दिखता है। बीती 14 जुलाई को एक अंग्रेजी दैनिक में एक लेख 'एमएसपी में मामूली वृद्धि सरकार द्वारा एक सख्त कदम है' प्रकाशित हुआ जिसमें दो अर्थशास्त्रियों ने 2023-24 विपणन सीजन के लिए खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में 7 प्रतिशत की अतिरिक्त मामूली बढ़ोतरी से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में खाद्य टोकरी के लिए भारित औसत की गणना की है। लेकिन यह सही नहीं है क्योंकि विपणन सत्र अभी शुरू होना है, और यह देखते हुए कि साल में एमएसपी पर केवल 14 फीसदी फसलें खरीदी जाती हैं, कीमतों में वृद्धि को पूरी फसल से जोड़ना जल्दबाजी होगी। शेष 86 फीसदी फसलों का ज्यादातर कारोबार एमएसपी से कम कीमत पर होगा। इसका मतलब यह भी कि चुनाव पूर्व वर्षों में एमएसपी मूल्य वृद्धि के जरिये देखी गई बड़ी बढ़ोतरी भी गलत थी। दूसरी ओर, जो लोग किसानों को दोषी ठहराते हैं कि वे बिना सोचे-विचारे जल्दबाजी में राजमार्गों और रेल पटरियों को बाधित करके बैठ जाते हैं, उन्हें भी अपना पूर्वाग्रह त्याग देना चाहिए। सोशल मीडिया मंचों पर सक्रिय आलोचक अक्सर प्रदर्शनकारी किसानों पर भड़कते हैं। जैसे कि किसानों को हाइवे जाम करके दूसरों को सताने में खुशी मिलती हो। ऐसी आलोचना अनुचित ही होगी, और इससे शहर में जन्मे-पले लोगों की ग्रामीण देहात के बारे में समझ का पता चलता है। देश भर में किसानों के विरोध प्रदर्शनों की मामला-दर-मामला जांच करें, और आप देखेंगे कि उनके साथ कैसे ज्यादती हुई। वे एक आर्थिक षड्यंत्र के शिकार हैं जिसका मकसद असल में उन्हें ज़मीन से बेदखल करना है। मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों और नौकरशाही ने शायद ही कभी किसानों की भूमिका को भूमि बैंक और श्रम बैंक से परे देखा हो। दरअसल, पैदावार के सही दाम प्राप्ति के लिए किसानों के पास लट्ठ का सहारा लेने के अलावा अन्य कोई विकल्प कम ही है। यहां बड़ा सवाल यह उठता है कि नीति निर्माताओं में किसानों को गारंटीशुदा कीमत प्रदान करने को लेकर अनिच्छा क्यों हैं? प्रमुख तौर पर यह इसलिए है कि कॉलेज पाठ्यक्रम में इकोनॉमिक 101 यानी अर्थशास्त्र की शुरुआती मूल अवधारणाओं ने हमें यह यकीन करने के लिए मानसिक तौर पर तैयार किया है कि बाजार के तहत ही सर्वोत्तम कीमत प्राप्त होती हैं। वास्तव में, निराशाजनक ही है जब कुछ जनमत बनाने वाले भी किसानों को सही कीमत का आश्वासन प्रदान करने की जरूरत को चुनौती देते हैं। यदि किसानों के लिए सूरजमुखी के लिए 6,400 रुपये प्रति क्विंटल के एमएसपी के बजाय 4,800 रुपये प्रति क्विंटल बाजार भाव प्राप्त करना ठीक है, तो इसी तर्ज पर अगर शीर्ष नौकरशाहों को जूनियर अधिकारियों के बराबर वेतन दिया जाएगा तो वे उस पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे। इसी तरह, अगर सेना के सबसे वरिष्ठ अफसरों को दो रैंक से नीचे के अधिकारियों के बराबर वेतन मिले, तो जोरदार विरोध होगा। दरअसल किसान भी तो उसी समाज का हिस्सा हैं। उन्हें भी तो अपने परिश्रम के बदले पर्याप्त भुगतान की आवश्यकता है, वह भी इतना तो होना चाहिये जिससे उन्हें आर्थिक तौर पर व्यवहार्य और लाभकारी आमदन प्राप्त हो सके। जबकि 1970 से 2015 तक के 45 वर्ष की अवधि में सरकारी कर्मचारियों के मूल वेतन में 120 से लेकर 150 गुणा तक बढ़ोतरी हुई वहीं इसके मुकाबले, यदि गेहूं के एमएसपी को संकेतक मान लिया जाये, कृषि आय में वृद्धि केवल 19 गुना ही हुई है। आमदनी में यह भारी अंतर उस सोचे-समझे प्रयास की ओर इशारा करता है जिसके तहत कृषि आय को व्यापक आर्थिक संकेतकों के दायरे में रखा गया। दूसरे शब्दों में, खाद्य मुद्रास्फीति कम रखने के लिए खाद्यान्न कीमतों को कम रखकर किसान पारंपरिक तौर पर आर्थिक स्थिरता बनाए रखने का बोझ उठाते रहे हैं। इसे बदले जाने की जरूरत है। आखिरकार, किसान को भी तो आय समानता की जरूरत है। यह तभी संभव है जब न्यूनतम समर्थन मूल्य को वैधानिक दर्जा दिया जाये, यह आश्वासन कि इस मानक कीमत से कम पर कोई लेन-देन नहीं होगा।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

30 जून अंतर्राष्ट्रीय एस्टेरोइड (क्षुद्रग्रह) दिवस

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

अपने संकल्प में संयुक्त राष्ट्र ने 30 जून 1908 को साइबेरिया, रूसी संघ पर तुंगुस्का प्रभाव की वर्षगांठ पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर साल 30 जून को अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस की घोषणा की और क्षुद्रग्रह प्रभाव खतरे के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए।

यह दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा लोगों को एस्टेरोइड यानी क्षुद्रग्रह के प्रभाव के बारे में जागरूक करने के लिए संस्वीकृत किया गया था। संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य है साल भर में अनेक तरह के आयोजन करके लोगों को क्षुद्रग्रह / उल्का पिंड से होने वाले खतरों के बारे में जागरूक करने का और विश्वभर के लोगों के साथ विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से संवाद करने का।

30 जून 1908 को रूस की तुंगुस्का नदी के पास क्षुद्रग्रह से एक बहुत बड़ा विस्फोट हुआ था। इस विस्फोट को सबसे बड़ा विस्फोट माना जाता है। इस विस्फोट के कारण ही 30 जून को अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस मनाने की शुरुआत हुई।

अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस एस्ट्रोफिजिसिस्ट यानी तारा भौतिकविज्ञानी और प्रख्यात संगीतकार डॉ ब्रायन मे अपोलो 9 एस्ट्रोनॉट यानी अंतरिक्ष यात्री रस्टी स्वेईकार्ट फिल्म निर्माता गरीग रीचार्टस और ब612 फाउंडेशन की अध्यक्ष डानिका रेमी द्वारा सह-स्थापित किया गया था।

इस दिवस की स्थापना लोगों को क्षुद्रग्रह के महत्व, उनका सौर मंडल की रचना में भूमिका, अंतरिक्ष के साधनों पर प्रभाव और हमारे गृह को भविष्य में होने वाले प्रभाव से बचाने के विषय पर जागरूक करना है। तुंगुस्का की घटना एक बहुत बड़ा विस्फोट था जो रूस में पोडकामेननाया तुंगुस्का नदी के पास 30 जून, 1908 की सुबह हुआ था। कहा जाता है कि इस भयानक विस्फोट से 8 करोड़ पेड़ जल गए थे और कुछ प्रत्यक्षदर्शी रिपोर्ट्स ये बताती हैं कि इस धमाके में कम से कम तीन लोगों कि मृत्यु हुई थी। जहाँ धमाका हुआ था वो जगह दूरस्थ थी और उस समय सीमित इंस्ट्रूमेंट्स ही उपलब्ध थे, इसलिए इस धमाके की वजह और परिमाण की जो आधुनिक वैज्ञानिक व्याख्या की गयी है वो मुख्यतः इस विस्फोट से हुए नुक्सान के आंकलन और भूगर्भिक अध्ययन पर आधारित है जो कि इस घटना के कई साल बाद किये गए थे।

30 **June** 1908 को सुबह के करीब 07:17 बजे बयकाल झील के उत्तर पश्चिमी पहाड़ियों में रह रहे रूसी निवासी और मूल निवासी एवेंकिस ने आसमान में घूमती हुई नीले से रंग की रौशनी का एक कॉलम देखा जो सूरज जैसा चमकदार था। करीब 10 मिनट बाद वहां एक फ़्लैश हुआ और तोपखाने की आग की आवाज़ जैसी एक आवाज़ आई। इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी यह बताते हैं कि इस विस्फ़ोट की आवाज़ें और झटके की लहरइतनी भयानक थी कि कुछ लोग तो दूर जाकर गिरे और करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित खिड़कियां भी टूट गयीं।

क्षुद्रग्रह आमतौर पर क्षुद्रग्रह बेल्ट में पाए जाते हैं जो सौरमंडल में मंगल और बृहस्पति ग्रह के बीच पाया जाने वाला एक क्षेत्र है। ऐस्टरॉइड्स वे चट्टानें होती हैं जो ग्रह के साथ सूरज के चक्कर काटती हैं। ये आमतौर पर क्षुद्रग्रह बेल्ट में पाए जाते हैं, जो सौरमंडल में मंगल एवं बृहस्पति ग्रह के बीच पाया जाता है। पहले क्षुद्रग्रह की खोज सन 1801 में खगोलशास्त्री गुइसेप पियाज़ी द्वारा की गयी थी। क्षुद्रग्रह के टूटकर पृथ्वी पर गिरने से बड़ा नुकसान हो सकता है।

शुरुआत में 2014 में एस्टेरोइड डे एजुकेशन प्रोग्राम्स को लॉन्च करने के लिए एस्टेरोइड समुदाय के सदस्यों ने एक पेटिशन तैयार और प्रकाशित की। यह पेटिशन एस्टेरोइड (क्षुद्रग्रह) एजुकेशन के पक्ष में जनता का समर्थन पाने के लिए प्रकाशित की गयी थी और सरकारों से यह अपील की गयी कि वे एस्टेरोइड की खोज करने वाले प्रोग्राम्स की फंडिंग को समर्थन दें। इस पेटिशन को 100क्स डिक्लेरेशन कहते हैं। इसे दुनिया के कई प्रमुख व्यक्तियों ने साइन किया। इन व्यक्तियों में कई विज्ञान, प्रौद्योगिकी और बिज़नेस के लीडर्स और 125 से ज्यादा एस्ट्रोनॉट्स शामिल हैं।

जब 2014 दिसंबर में यह डिक्लेरेशन हुआ था,उस समय तक तक ऐसा माना जा रहा था कि करीब 1 मिलियन(70 दिए डाइयेमेटेर (व्यास) के करीब) पृथ्वी की करीब एस्टेरॉइड्स हैं जो भविष्य में धरती को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं और केवल 1त्न एस्टेरॉइड्स का ही पता लग पाया है।

इस डेक्लरेशन को केवल विशेषज्ञ ही नहीं बल्कि आम व्यक्ति भी साइन कर सकता है। आज की तारीख में करीब 22,000 निजी नागरिकों ने इस डेक्लरेशन को साइन किआ हुआ है।

इस डेक्लरेशन की शुरुआत तो पृथ्वी के करीब एस्टेरॉइड्स की खोज करने के लिए हुई थी लेकिन आज ये एक वैश्विक मूवमेंट बन चुका है जिसका उद्देश्य है इस रोकने योग्य प्राकृतिक आपदा के बारे में जागरूकता फैलाना।

एस्टेरोइड डे पर हर साल 30 जून या उसके करीब किसी दिन वैश्विक आयोजन किये जाते हैं। ये आयोजन दुनिया भर में संग्रहालयों, अंतरिक्ष एजेंसियों, विश्वविद्यालयों आदि द्वारा हर उम्र के लोगों लिए और ज़्यादातर मुफ्त में किये जाते हैं। इन आयोजनों में भाषणों से लेकर शार्ट स्टोरी प्रतियोगिता, लाइव कंसर्ट्स आदि किये जाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस का लक्ष्य

1. सरकारों और परोपकारी संगठनों की मदद से, उपलब्ध तकनीकों द्वारा पृथ्वी के करीब एस्टेरॉइड्स, जो पृथ्वी को नुक्सान पहुंचा सकते हैं, उनका पता लगाना और उन्हें ट्रैक करना।

2. अगले 10 सालों के भीतर इन एस्टेरॉइड्स को खोजने और ट्रैक करने के लिए तीव्र 100 गुना तेज़ी।

3. एस्टेरोइड डे को पूरे विश्व द्वारा अपनाया और मनाया जाना, एस्टेरोइड से होने वाले नुक्सान के बारे में जागरूकता फैलाना और कैसे हम इसके प्रभाव से बच सकते हैं यह लोगों को बताना।

घोटालेबाजों को जेल भेजेंगे मोदी?

(लेखक - सनत जैन)

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 लाख करोड़ रुपए के घोटाले गिनाए। इसमें गांधी परिवार, पवार परिवार, लालू परिवार, केसीआर का परिवार,ममता बनर्जी का परिवार, तमिलनाडु में स्टालिन के परिवार सहित जिन राज्यों में गैर भाजपा दलों की सरकारें है। उन्हें घोटालेबाज बताते हुए कार्रवाई करने की बात कही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा घोटाले की गारंटी ही विपक्षी दलों की असली पहचान है। उन्होंने कहा मैं किसी घोटालेबाज को छोडूंगा नहीं। यह सब घोटालेबाज एकजुट हो रहे हैं। लेकिन यह बच नहीं पाएंगे। इनकी जगह जेल में हैं। मेरी गारंटी है कि कोई घोटालेबाज बचेगा नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह कहकर सभी विपक्षी दलों को एकजुट हो जाने के लिए विवश कर दिया है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से विपक्षी दलों के नेताओं के ऊपर ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग छापे की कार्रवाई कर रही है। सभी विपक्षी दल,ईडी और सीबीआई की कार्रवाई को विपक्षियों के साथ, उत्पीड़न के रूप में प्रचारित कर रहे हैं। विपक्षी नेता कहते हैं, कि उनके ऊपर फर्जी मामले तैयार किए जा रहे हैं। बिना सबूत के विपक्षी दलों के नेताओं को जेलों में भेजा जा रहा है। करीब 12 राज्यों ने अपने-अपने राज्य में सीबीआई पर प्रतिबंध लगा दिया है। बिना राज्य सरकार की अनुमति के सीबीआई उन राज्यों में कोई कार्यवाही नहीं कर सकती है। विपक्ष, पटना की बैठक में अपनी डफली अपना राग अलाप रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में सार्बजनिक रुप से सभी विपक्षी दलों के नेताओं को जेल भेजने की जो चेतावनी दी है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह चेतावनी,सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने का काम करेगी। अभी तक राहुल गांधी और कांग्रेस पर ही प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा निशाना साधती थी। अब उन्होंने अ धिकांश विपक्षी दलों के नेताओं पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भय 1975 के आपातकालीन से भी ज्यादा विपक्षी दलों में व्याप्त हो गया है। 1975 के आपातकाल के दौरान राजनीतिक दलों के नेताओं को, जेलों मे राजनीतिक कैदी के रूप में बंद किया गया था। उनके ऊपर कोई मुकदमे नहीं चलाए गए थे। 1977 में 21 माह की कैद के बाद जैसे ही आपातकाल खत्म हुआ। उसके बाद सभी विपक्षी दल ना केवल एकजुट हुए। वरन अपने अपने राजनीतिक दल को जनता पार्टी में समाहित कर राजनीतिक दलों ने अपने अस्तित्व को ही समाप्त कर दिया था। 1977 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस वर्सेस जनता दल के बीच लड़ा गया। इस विपक्षी एकता के कारण कांग्रेस की उत्तर भारत में कड़ी पराजय हुई। पहली बार केंद्र में गैर कांग्रेस सरकार का गठन हुआ। जो जनता दल बनाया गया था। उसमें अधिकांश हिंदी भाषी राज्य के राजनीतिक दल शामिल थे। पिछले वर्षों में जिस तरह से ईडी ने राजनेताओं को जेलों में कई माहों से बंद करके रखा है। 1 वर्ष से अधिक समय हो गया। उन नेताओं की जमानत नहीं हो पा रही है। न्यायालय में उनके खिलाफ चार्जशीट भी पेश नहीं हो रही है। कई-कई महीने तक ईडी और सीबीआई जांच ही चलती रहती है। इससे सभी विपक्षी दल और उसके नेता भयभीत हैं। 1975 के आपातकाल की तुलना में कई गुना ज्यादा अघो षित आपातकाल विपक्षी दल बताने लगे है। इस अघोषित आपातकाल में विपक्षी दलों के नेताओं को अपराधी बनाकर जेलों में बंद किया जा रहा है। न्यायालय में उनकी जमानत नहीं हो रही है। सीबीआई और ईडी न्यायालयों में जमानत का विरोध करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 लाख करोड रुपए के जो घोटाले गिनाए हैं। वह एक दशक से भी ज्यादा पुराने हैं। 9 वर्षों से अधिक भाजपा की सरकार केंद्र में है। घोटाले के जो आरोप लगाये गए थे। उसमें कई मामलों में न्यायालय से क्लीन चिट मिल चुकी है। उसके बाद भी जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोटाले के आरोप में, राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को जिसमें कांग्रेस, आरजेडी, टीएमसी, डीएमके, राकापा, सपा, इत्यादि के राजनेताओं को घोटालेबाज बताकर जेल के सीकचें में भेजने के तेवर मोदी जी ने दिखाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा, जेल भेजने की गारंटी के बयान के बाद, सभी विपक्षी दलों का एकजुट होना अब तय माना जा रहा है। इसके क्या परिणाम होंगे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। फिर भी जो चर्चाएं हो रही हैं। पिछले 9 वर्ष से केंद्र में भाजपा की सरकार है। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। घोटाले के जो आरोप उन्होंने लगाए हैं, उन्होंने घोटालेबाजों पर कार्रवाई क्यों नहीं की। लोग कहने लगे हैं, जब चुनाव आते हैं, तभी इस तरह के आरोप और कार्रवाई करने की बात क्यों कही जाती है।

पेटीएम में अब पहले से तेज होगी यूपीआई पेमेंट

नई दिल्ली । देश में यूपीआई पेमेंट को आसान और तेज बनाने के लिए डिजिटल पेमेंट एंड फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी पेटीएम ने एक नया फीचर यूजर्स को ऐप पर दिया है। पेटीएम के ऐप पर पिन रीसेंट पेमेंट्स का फीचर जोड़ा गया है। इसकी मदद से कंपनी के यूजर्स बार-बार होने वाली पेमेंट को` पिन कर पाएंगे। पिन की हुई प्रोफाइल टॉप में रहेगी और पेमेंट आसानी और तेजी से की जा सकेगा। पिन रीसेंट पेमेंट्स फीचर के तहत आप केवल 5 कॉन्टैक्ट्स को टॉप में पिन कर पाएंगे। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि मोबाइल पेमेंट में पेटीएम सबसे टॉप पर है, इसलिए हम समय-समय पर ऐप में यूजर्स के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए नए फीचर्स लाते रहते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि हमारी पिन संपर्क सुविधा का मकसद यूजर्स को तेज यूपीआई पेमेंट करने में सक्षम बनाना है। ये सर्विस लोगों के समय और एफर्ट्स को बचाएगी और वे तेजी से यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे।

नए टीसीएस नियम लागू करने की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली । सरकार ने टैक्स कलेक्शन एट सोर्स (टीसीएस) लागू करने की समय अवधि को बढ़ाने का फैसला किया है। टीसीएस का नया नियम 1 जुलाई की जगह 1 अक्टूबर 2023 से लागू किया जाएगा। समयअवे धि से 30 सितंबर 2023 तक अब टीसीएस को लेकर पुराना नियम ही लागू रहेगा। अभी टीसीएस का 5 फीसदी है। 1 अक्टूबर से यह बढ़कर 20 फीसदी हो जाएगी। मान लीजिए आप दुबई जाने के लिए 20 लाख रुपए का पैकेज खरीदते हैं। इस पैकेज को बुक करने के लिए आपको आपको अतिरिक्त 40 हजार रुपए चुकाने होंगे। टूर पैकेज पर लगने वाला 20 फीसदी टीसीएस इसकी वजह है। अभी इस फॉरेन टूर पैकेज पर सिर्फ 10,000 रुपए का टीसीएस लगेगा। फॉरेन टूर पैकेज के अलावा अगर आप लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम के तहत किसी फॉरेक्स डीलर से विदेशी मुद्रा खरीदते हैं तो उस पर भी आपको 20 फीसदी टीसीएस चुकाना होगा।

सेबी सार्वजनिक निर्गम के शेयरों की सूचीबद्धता समय तीन दिन करेगी

मुंबई । बाजार नियामक सेबी ने सार्वजनिक निर्गम के शेयरों की सूचीबद्धता के लिए समय अवधि मौजूदा छह दिन से घटाकर तीन दिन करने समेत कई प्रस्तावों को मंजूरी दी। नियामक के इस कदम से निर्गम जारीकर्ता को उनका कोष प्राप्त करने और आवंटियों को प्रतिभूति हासिल करने में कम समय लगेगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के निदेशक मंडल की की यहां हुई बैठक में कुल सात प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। नियामक ने कहा कि संशोधित टी प्लस3 (निर्गम बंद होने के दिन से तीन दिन) दिनों की संशोधित समयसीमा दो चरणों में लागू की जाएगी। एक सितंबर, 2023 को या उसके बाद खुलने वाले सभी सार्वजनिक निर्गमों के लिए यह स्वैच्छिक होगा और एक दिसंबर, 2023 को या उसके बाद के निर्गमों के मामले में यह अनिवार्य होगा। सेबी ने कहा कि यह निर्णय बड़े निवेशकों, रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंटों, ब्रोकर-वितरकों और बैंकों सहित सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद लिया गया है। निदेशक मंडल ने सार्वजनिक निर्गमों में शेयरों की सूचीबद्धता की समयावधि को निर्गम बंद होने (टी) की तारीख से मौजूदा छह दिनों से घटाकर तीन दिन करने को मंजूरी दी है। इसके साथ, सेबी ने पारदर्शिता बढ़ाते हुए कुछ श्रेणी के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिये खुलासा जरूरतों को बढ़ाने का निर्णय लिया है। नए नियम ऐसे एफपीआई के लिए लागू होंगे, जो एक ही कॉरपोरेट समूह में हिस्सेदारी को केंद्रित करते हैं। इस कदम का उद्देश्य भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण के जोखिमों से बचाने के लिए न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) आवश्यकताओं की संभावित हेराफेरी और एफपीआई मार्ग के संभावित दुरुपयोग को रोकना है।

बैंकों का फंसा कर्ज दशक के निचले स्तर पर: आरबीआई

- वाणिज्यिक बैंकों का सकल एनपीए मार्च 2024 तक घटकर 3.6 प्रतिशत होने का अनुमान

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि देश के बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (फंसे कर्ज का अनुपात) इस साल मार्च में 3.9 प्रतिशत पर आ गया जो एक दशक का सबसे कम स्तर है। आरबीआई ने अपनी छमाही वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा कि अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) मार्च 2024 तक और कम होकर 3.6 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस रिपोर्ट की भूमिका में लिखा है कि बैंक और कंपनियों दोनों के बही-खाते मजबूत हुए हैं। इससे कुल मिलाकर वृद्धि को गति मिलने की उम्मीद है क्योंकि बही-खातों के मजबूत होने का दोहरा लाभ है। एक तरफ जहां कंपनियों का कर्ज कम होगा, वहीं बैंकों का एनपीए भी नीचे आएगा। बीते दशक के दूसरे हिस्से में बैंकिंग प्रणाली के भीतर एनपीए का बोझ काफी बढ़ गया था। हालात पर काबू पाने के लिए आरबीआई ने परिसंपत्ति गुणवत्ता समीक्षा शुरू करने के साथ ही बैंकों के लिए फंसी हुई संपत्तियों को अंकित करना अनिवार्य बना दिया था। इस कवायद का असर हाल ही में जारी की गई स्थिरता रिपोर्ट में भी नजर आया।

बैंकों का शुद्ध एनपीए मार्च के ओ खिरी में एक प्रतिशत हो गया। इसके पहले जुलाई, 2011 में यह स्तर रहा था। मानक कर्जों के एनपीए बनने यानी फिसलन का तिमाही अनुपात और कम होकर 0.3 प्रतिशत हो गया, लेकिन वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में जीएनपीए अनुपात में बट्टे खातों का अनुपात बढ़कर 28.5 प्रतिशत हो गया। इस रिपोर्ट के मुताबिक खुदरा कर्ज पर बैंकों का ध्यान बढ़ने से कॉरपोरेट कर्ज की हिस्सेदारी मार्च 2023 में गिरकर 46.4 प्रतिशत हो गई जबकि मार्च 2020 में यह 51.1 प्रतिशत पर थी। कुल सकल एनपीए में बड़े कर्जों की हिस्सेदारी भी तीन साल पहले के 75.7 प्रतिशत से घटकर मार्च 2023 में 53.9 प्रतिशत हो गई। आरबीआई ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का मुनाफा निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में तेजी से बढ़ा है।

निवेशकों की संपत्ति दो दिनों में 3.43 लाख करोड़ बढ़ी

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को जोरदार तेजी के साथ निवेशकों की संपत्ति दो दिनों में 3.43 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई। कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स 64,000 अंक को पार कर गया था। बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 499.39 अंक बढ़कर 63,915.42 अंक के अपने अब तक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान एक समय यह 634.41 अंक उछलकर 64,050.44 अंक के अपने सर्वकालिक स्तर पर भी पहुंच गया था। दो दिन की तेजी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3,43,718.15 करोड़ रुपए बढ़कर 2,94,11,131.69 करोड़ रुपए पहुंच गया। इससे पहले 21 जून को बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड 2,94,36,594.50 करोड़ रुपए पहुंच गया था।

किसानों को 120 रुपए किलो के टमाटर पर 50 रुपए भी नहीं मिल रहे

फरीदाबाद । किसान के पास से आपकी किचन तक पहुंचते-पहुंचते टमाटर 50 रुपए से बढ़कर 120 रुपए प्रति किलो तक का हो जाता है। किसान को आढ़ती से प्रति किलो करीब 50 रुपए ही मिलते हैं। आढ़तियों का कहना है कि इस समय लोकल एरिया में टमाटर की पैदावार नहीं हो रही है। टमाटर शिमला और बंगलुरू से आ रहा है। लिहाजा भाव अधिक है। इस समय टमाटर 100 से 120 रुपए प्रति किलोग्राम बिक रहा है। पॉश इलाकों में 120 रुपए से भी अधिक भाव हैं। होम डिलिवरी करने वाली कुछ वेबसाइट पर टमाटर के रेट 90 से 100 रुपए प्रति किलोग्राम भी दिख रहे हैं। किसानों को इससे अधिक फायदा नहीं है। किसानों से इस समय थोक मंडी के आढ़ती 1200 से 1600 रुपये तक की कैरेट खरीद रहे हैं। एक कैरेट में 25 किलोग्राम टमाटर होते हैं। इस लिहाज से प्रति किलोग्राम 48 से 64 रुपये का थोक खरीद है। मंडी से इस टमाटर को ठेले वाले और फुटकर में सब्जी बेचने वाले दुकानदार खरीदते हैं। हरियाणा में आढ़ती अपना कमीशन फुटकर दुकानदारों से लेते हैं। वहीं दिल्ली में किसान से कमीशन लिया जाता है। फरीदाबाद में ये कमीशन सात प्रतिशत है। इससे सब्जी के भाव बढ़ जाते हैं। वहीं 50 रुपए प्रति किलो के हिसाब से खरीदे गए टमाटर 53.50 रुपए प्रति किलोग्राम हो जाते हैं। इसके बाद दुकानदार व ठेली वाले इसे अपने भाव पर बेचते हैं।

निदेशक मंडल मे महिलाओं की संख्या बढ़ाने सोच में बदलाव जरूरी: अरुंधति

- कार्यस्थलों पर महिलाओं की संख्या बढ़ने पर शीर्ष स्तर पर उनका प्रतिनिधित्व बढ़ पाएगा

मुंबई ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की पूर्व चेयरपर्सन अरुंधति भट्टाचार्य ने कहा कि कंपनियों के निदेशक मंडल में अधिक महिलाओं को शामिल करने के साथ महिला कर्मचारियों के लिए कामकाज की व्यवस्था में लचीलापन दिखाने की जरूरत है। भट्टाचार्य ने कहा कि कंपनियों के निदेशक मंडल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए सोच में बदलाव, संकल्पबद्ध कदम और केंद्रीकृत दृष्टिकोण की जरूरत होगी। निश्चित रूप से निदेशक मंडल में कहीं ज्यादा महिलाओं को मौजूद होना चाहिए। मुझे लगता है कि यह सोच में बदलाव के सवाल से जुड़ा हुआ मामला है। वर्ष 2017 में एसबीआई के चेयरपर्सन पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भट्टाचार्य ने वर्ष 2020 में क्लाउड-आधारित सेवा प्रदाता सेल्सफोर्स इंडिया के चेयरपर्सन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का दायित्व संभाला था। वह इस समय सेल्सफोर्स को मजबूती देने में लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि कार्यस्थलों पर महिलाओं की संख्या बढ़ने पर ही शीर्ष स्तर पर उनका प्रतिनिधित्व बढ़ पाएगा। इसके लिए उन्होंने कंपनियों से अनुरोध किया कि वे महिलाओं को कार्यालय वापस बुलाने के मामले में लचीलापन और सहानुभूतिपूर्ण रवैया दिखाएं।

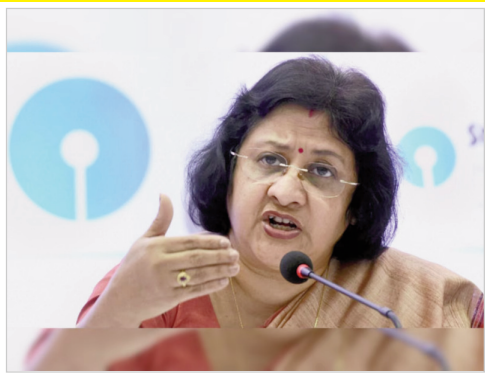

उनका कहना है` कि कोविड-19 महामारी के बाद अधिकांश कंपनियों ने 'वर्क फ्रॉम होम' के बजाय कर्मचारियों को वापस दफ्तर आना अनिवार्य कर दिया है। इससे कुछ क्षेत्रों में महिला कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर भी बढ़ गई है।देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने हाल ही में कहा कि पुरुष कर्मचारियों की तुलना में उसकी महिला कर्मचारियों की नौकरी छोड़ने की दर पिछले कुछ समय में बढ़ गई है। टीसीएस ने इसके पीछे घर से काम करने की सुविधा बंद होने की भूमिका बताई है। हालांकि भट्टाचार्य ने महिला पेशेवरों को विपरीत हालात में भी हार न मानने की सलाह देते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में हार मान लेना सबसे आसान तरीका है। आप ऐसा न करो, आपको कदम जमाए रखने की जरूरत है। प्रतिकूल परिस्थितियों में आपको धैर्य रखना होता है और आप इससे बाहर निकल सकती हैं।

इंडिगो की पेरेंट कंपनी आईजीएएल का मार्केट कैप एक लाख करोड़ रहा

मुंबई ।

इंडिगो एयरलाइन की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (आईजीएएल) एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के मार्केट कैप वाली देश की पहली एयरलाइन बन गई है। बीएसई पर कंपनी का टर्नओवर 9.20 करोड़ रुपए रहा, जिसका मार्केट कैप 1,01,007.56 करोड़ रुपये रहा। बुधवार को एयरलाइन का शेयर 2,619.85 रुपए पर बंद हुआ। साल 2023 में ही अब तक शेयर के मूल्य में 28 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है। वाडिया ग्रुप के मालिकाना हक वाली एयरलाइन गो फर्स्ट के दिवालिया अर्जी दायर करने के बाद इंडिगो के शेयर में तेजी देखी जा रही है। पिछले दिनों ही इंडिगो ने 2030 और 2035 के बीच वितरित किए जाने वाले 500 एयरबस नियो फैमिली के विमानों के बड़े ऑर्डर की घोषणा की।

50 बिलियन डॉलर का यह सौदा, विमानन इतिहास में सबसे बड़ी डील में से एक है। इंडिगो की तरफ से एक ही बार में 500 प्लेन का यह ऑर्डर एविएशन इंडस्ट्री का भी सबसे बड़ा ऑर्डर है। शेयर की कीमत में तेजी और इंडिगो की

सबसे बड़ी डील के बाद ब्रोकरेज कंपनी यूबीएस ने इंडिगो के लिए टार्गेट 2,690 रुपए से बढ़ाकर 3,300 रुपए कर दिया है। यूबीएस की तरफ से कहा गया कि इंडिगो किसी भी गिरावट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। विदेशी ब्रोकरेज को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में जून तिमाही का ईपीएस (प्रति शेयर आय) 82 रुपए होगा, जो वित्त वर्ष 2018 में इंडिगो के रिकॉर्ड-उच्च वार्षिक ईपीएस से 37 प्रतिशत ज्यादा है।

बकरीद पर बाजार बंद, एक्सचेंज पर नहीं होगी ट्रेडिंग

मुंबई । बकरीद के मौके पर गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा। बीएसई और एनएसई पर इक्विटी, डेरिवेटिव समेत करेंसी डेरिवेटिव में ट्रेडिंग नहीं होगी। इसके अलावा फॉरेक्स मार्केट में भी कारोबार नहीं होगा। साथ ही एमसीएक्स पर भी ट्रेडिंग के लिए सुबह के सत्र बंद रहेंगे। हालांकि शाम 5 बजे से ट्रेडिंग शुरू हो जाएगी। कमोडिटी बाजार गुरुवार रात 11:30 या 11:55 बजे तक खुले रहेंगे। बता दें कि शेयर बाजार में कारोबार अब 30 जून शुक्रवार से ही होगी। बकरीद की छुट्टी का ऐलान पहले 28 जून यानी बुधवार के लिए एक्सचेंजों ने किया था। लेकिन बाद में छुट्टी की तारीख को बदल दिया गया क्योंकि बकरीद 29 जून को है। बता दें शेयर बाजार में अब अगला हॉलिडे अगस्त में होगा। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार 28 जून को शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला जारी रहा। बाजार जबरदस्त उछाल के साथ हरे निशान पर बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स लगभग 500 अंकों की उछाल के साथ बंद हुआ। निफ्टी भी 155 अंक चढ़कर 18,972.10 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा।

एलएंडटी फाइनेंस के ईएमआई प्रोटेक्ट प्लान ने अब तक 1.5 लाख से अधिक ग्राहकों को कवच प्रधान किया

मुंबई ।

देश की लीडिंग नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों में शामिल एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने घोषणा की है कि कृषि लोन ग्राहकों के लिए चलाए जा रहे श्वस्छ्व प्रोटेक्ट प्लान के तहत 1.5 लाख से ज्यादा ग्राहकों को कवच प्रधान किया जा चुका है. यह बाजार में अपनी तरह का एक अनोखा प्लान है।

यह योजना कम से कम 4 दिनों के निरंतर अस्पताल में भर्ती होने पर लोन इंस्टॉलमेंट के लिए लंप सम यानी एकमुश्त पेमेंट की पेशकश करती है। ग्राहक पूरे लोन अवधि के दौरान हर साल एक बार इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

इस योजना के तहत अगर ग्राहक अस्पताल में भर्ती होता है, तो बीमा कंपनी द्वारा ग्राहक की ओर से सम एश्योर्ड (बीमा राशि की लिमिट तक) उसकी वर्तमान/भविष्य की ड्यू इंस्टॉलमेंट का भुगतान स्स्न्नस्न को किया जाएगा। यह योजना 18 से 60 साल की उम्र के ग्राहकों के लिए पेश की जा सकती है और लोन अवधि के आधार पर पॉलिसी टर्म रेंज 2 से 5 साल के बीच होती है। सम एश्योर्ड लोन रीपेमेंट के आधार पर (मासिक,त्रैमासिकया अर्ध वार्षिक) 30,000 रुपये से 90,000 रुपये के बीच होती है। यह योजना ग्राहकों को प्रीमियम फंडिंग विकल्प भी प्रदान करती है।

EMI प्रोटेक्ट प्लान को जुलाई 2020 में कंपनी के किसान ग्राहकों को सहायता के रूप में कोविड महामारी के दौरान लॉन्च किया गया था।

उन्हें नए ट्रैक्टर लोन, टॉप-अप लोन या **LTF** से रीफाइनेंस लोन प्राप्त करने के समय पेश किया गया था। इस मुकाम को हासिल करने पर एलएंडटी फाइनेंस के चीफ एग्जीक्यूटिव- फार्मर फाइनेंस, आशीष गोयल ने कहा कि अपने स्ट्रैटेजिक प्लान लक्ष्य 2026 को ध्यान में रखते हुए, उत्पाद केंद्रित से ग्राहक केंद्रित होने पर जोर देने के लक्ष्य के साथ हम डिजिटल रूप से सक्षम टॉप रिटेल फाइनेंस कंपनी बनने पर केंद्रित कर रहे हैं। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमने किसानों की सुविधा और उनके कठिन समय में वित्तीय सहायता प्रदान करने पर ध्यान देने के साथ **EMI** प्रोटेक्ट योजना शुरू की थी।

विशेष रूप से, **EMI** प्रोटेक्ट प्लान के तहत कृषि लोन ग्राहकों को कम से कम डॉक्यूमेंटेशन के साथ और बेहद कम समय में बिना किसी परेशानी क्लेम प्रक्रिया पूरी करने में मदद मिलती है।

जुलाई में रुपए-पैसों से जुड़े कई बदलाव होंगे

नई दिल्ली ।

जुलाई का महीना आपकी जेब को लेकर बहुत अहमियत रखने वाला है। इस महीने पैसों-रुपयों से जुड़े ऐसे कई बदलाव होने वाले हैं जिनका हमारी जेब और मासिक बजट पर सीधा असर पड़ेगा। सरकार की तरफ से हर महीने की शुरुआत में एलपीजी के दाम निर्धारित किए जाते हैं। सरकारी तेल कंपनियों की तरफ से अप्रैल और मई के महीने में लगातार 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कटौती की गई थी। हालांकि, 14 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई भी बदलाव देखने को नहीं मिला था। एक जून को गैस सिलेंडर बेचने वाली पेट्रोलियम कंपनियों ने एलपीजी की कीमत में बदलाव किया था। ऐसे में यह देखना होगा कि जुलाई में सिलेंडर के दाम में बदलाव होता है या नहीं। वहीं विदेश में किए गए खर्चों के लिए टैक्स कलेक्टेड ऐट सोर्स शुल्क लगाने का नया प्रावधान 1 जुलाई, 2023 से लागू किया जा सकता है। अगर 7 लाख रुपए से अधिक है, तो लोगों को 20 फीसदी टीसीएस शुल्क का भुगतान करना होगा। वहीं 1 जुलाई से गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियां कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के दामों में भी बदलाव कर सकती है। बता दें कि दिल्ली और

मुंबई में पेट्रोलियम कंपनियां नियमित रूप से प्रत्येक महीने के पहले दिन गैस की कीमतों की समीक्षा करती हैं।

पहली छमाही में कार बिक्री के रिकॉर्ड 20 लाख का आंकड़ा पार होने की उम्मीद

- जून में कारों की बिक्री 325,000 से 328,000 इकाई होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

भारतीय कार बाजार में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है और कारों की बिक्री पहली बार ` वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में 20 लाख का आंकड़ा पार कर सकती है। एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यानी भारत में साल के पहले 6 महीनों में हुई कार बिक्री की संख्या मेक्सिको, ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया जैसे देशों में पूरे वर्ष के दौरान हुई बिक्री के बराबर है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी शशांक श्रीवास्तव को उम्मीद है कि जून में कारों की बिक्री लगभग 325,000 से 328,000 यूनिट होगी। इसका मतलब है कि पिछले वर्ष जून में 321,000 पैसेंजर कारों की बिक्री की तुलना में सालाना आधार पर इसमें 2.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। श्रीवास्तव ने कहा` कि हमें उम्मीद है कि पैसेंजर कार की बिक्री जून तिमाही के अंत में लगभग 996,000 यूनिट पर पहुंच जाएगी। वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में 1,017,000 यूनिट की बिक्री हुई थी। इन दोनों तिमाहियों के आंकड़ों को मिला दिया जाए तो उद्योग पहली बार किसी वर्ष की पहली छमाही जनवरी से जून में 20 लाख वाहन बिक्री का आंकड़ा पार कर जाएगा। बता दें कि भारत के पैसेंजर कार बाजार में 2023 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिससे यह लगातार तीसरी छमाही में बिक्री वृद्धि के दोहरे अंकों में बढ़ने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2022 की पहली छमाही में घरेलू कार की बिक्री में 16 प्रतिशत और दूसरी छमाही में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आंकड़ों के अनुसार यदि पैसेंजर कारों की बिक्री में वृद्धि की गति दूसरी छमाही तक बनी रही, तो भारत 2023 में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार बाजार बन सकता है।

नोएडा और पटना में पेट्रोल महंगा

- ब्रेंट क्रूड का भाव 74.02 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर बढ़ना शुरू हो गई हैं। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 74 डॉलर प्रति बैरल को भी पार कर गया है। इस बीच गुरुवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी इसका असर दिखा और गुरुवार को कई शहरों में भाव बढ़ गए हैं। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के महानगरों में कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार नोएडा में पेट्रोल 27 पैसे महंगा होकर 96.92 रुपए लीटर बिक रहा है। डीजल भी 26 पैसे चढ़ा और 90.08 रुपए लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 24 पैसे चढ़कर 107.48 रुपए लीटर हो गया तो डीजल 22 पैसे महंगा होकर 94.26 रुपए लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 7 पैसे सस्ता हुआ और 96.97 रुपए लीटर रहा, जबकि डीजल 7 पैसे टूटकर 89.84 रुपए लीटर है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 74.02 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़त के साथ 69.54 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 96.97 रुपए और डीजल 89.84 रुपए प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपए और डीजल 94.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

स्मिथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15 हजार रन बनाने वाले 41वें खिलाड़ी बने

-रिचर्ड्स को पीछे छोड़ने केवल 261 रनों की जरुरत

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 85 रनों की पारी के दौरान ही अपने 9 हजार रन पूरे कर लिए। वहीं अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके कुल 15 हजार रन हो गये हैं। इसी के साथ स्मिथ ने एक विशेष क्लब में प्रवेश किया है। स्मिथ आज एक शीर्ष बल्लेबाज हैं पर उन्होंने अपने करियर की शुरुआत गेंदबाजी के तौर पर की थी। वह स्पिनर थे पर बाद में बल्लेबाज बन गये।

स्मिथ 15 हजार रन पूरे करने वाले विश्व के 41वें खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे अधिक 9 खिलाड़ियों ने इतने रनों का आंकड़ा हासिल किया है। वहीं भारत की ओर से 8, श्रीलंका व वेस्टइंडीज की ओर से 5-5, दक्षिण अफ्रीका व पाकिस्तान की ओर से 4-4, न्यूजीलैंड की ओर से 3, इंग्लैंड की ओर से 2 और बांग्लादेश की ओर एक खिलाड़ी ने अब तक इतने रन बनाये हैं। वहीं सबसे कम पारियों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में 15 हजार रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के विराट कोहली के नाम है। विराट ने 333 पारियों में ऐसा किया। वहीं स्मिथ ने इसके लिए 351 पारी खेली हैं। हाशिम अमला ने 336, विव रिचर्ड्स ने 344, मैथ्यू हेडन ने 347, केन विलियम्सन ने 348 और जो रूट ने 350 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की है।

स्मिथ के पास अब वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज विव रिचर्ड्स को पीछे छोड़ने का मौका है। रिचर्ड्स ने 15261 रन बनाए हैं। इस प्रकार स्मिथ को रिचर्ड्स को पीछे छोड़ने के लिए केवल 261 रन चाहिये। स्मिथ ने एकदिवसीय में भी 12 शतक लगाये हैं। केवल टी20 में ही वह शतक नहीं लगा पाये हैं।

रजा और पूरन आईसीसी रैंकिंग में ऊपर आये

दुबइ (एजेंसी)। अंतरराट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी की ताजा एकदिवसीय रैंकिंग में जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा और वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन को लाभ हुआ है। रजा को घरेलू मैदान पर विश्वकप क्वालीफायर में तीन अच्छी पारियों के कारण रैंकिंग में सात स्थानों का लाभ हुआ है और वह 27वें स्थान पर पहुंच गए। इस खिलाड़ी ने नीदरलैंड के खिलाफ नाबाद 102 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ 68 और यूएसए के खिलाफ 48 रन बनाए। अपनी ऑफ स्पिन के साथ, रज़ा आठ विकेट के साथ क्वालीफायर में शीर्ष छह विकेट लेने वालों में भी शामिल हैं। बल्ले और गेंद दोनों से शानदार फॉर्म के कारण रजा एकदिवसीय ऑलराउंडर रैंकिंग में दो स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी पहले और दूसरे स्थान पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड नंबर एक पर बने हुए हैं।

वहीं दूसरी ओर, क्वालीफायर में दो शतक लगाने वाले पूरन एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 13 स्थान की छलांग लगाकर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने ग्रुप चरण के दौरान 296 रन बनाये थे। वहीं नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स तीन पारियों में तीन अर्द्धशतकों के कारण बल्लेबाजी रैंकिंग में 24 स्थान ऊपर आकर 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि टूर्नामेंट के अनुभवी सीन विलियम्स 10 स्थान के लाभ के साथ ही 43वें स्थान पर पहुंच गए हैं।श्रीलंकाई लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगाए एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में दो स्थान ऊपर 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज रिचर्ड नगारावा 27 स्थान की छलांग लगाकर 32वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारत में विश्वकप खेलने सरकार की अनुमति लेनी होगी: पीसीबी

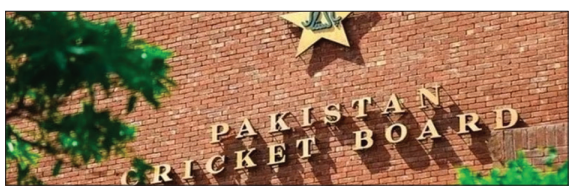

हरारे (एजेंसी)। लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीबीबी) ने विश्वकप का कार्यक्रम जारी होने के बाद कहा है कि हमें भारत का दौरा करने से पहले अपनी सरकार से अनुमति लेनी होगी। वहीं इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा था कि पाक टीम विश्वकप के लिए भारत जाएगी। आईसीसी ने मैच स्थलों को लेकर पीसीबी की आपत्तियों को भी खारिज कर दिया था। ऐसे में माना जा रहा है कि पीसीबी दबाव बनाने के लिए इस प्रकार के बयान दे रही है। जिस प्रकार के हालात हैं उसमें उसके लिए ये संभव नहीं है कि वह विश्वकप के लिए भारत का दौरा न करे।

इसका कारण है कि 30 अगस्त से पाक की मेजबानी में एशिया कप शुरु होगा। इसके अलावा 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी भी पाकिस्तान में आयोजित होगी। ऐसे में अगर पाक टीम भारत नहीं आती है तो उसे इन 2 बड़े टूर्नामेंट को बिना भारत के ही खेलना होगा जो उसके लिए संभव नहीं रहेगा। ऐसे में उसे किसी भी प्रकार से विश्वकप के लिए भारत का दौरा करना ही होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार , यदि पाक टीम वर्ल्ड कप खेलने भारत नहीं आती है, तो क्वालिफायर में नंबर-3 पर रहने वाली टीम को खेलने का मौका मिलेगा। इस प्रकार टूर्नामेंट का बैकअप प्लान भी तैयार है। बीसीसीआई ने एशिया कप के लिए पाक में टीम भेजने से इनकार कर दिया था। इस कारण टूर्नामेंट के शुरुआती 4 मुकाबले पाक में होंगे जबकि अन्य 9 मैच श्रीलंका में होंगे। भारत अपने सभी मैच श्रीलंका में ही खेलेगा। माना जा रहा है कि इसी कारण पीसीबी सरकार से मंजूरी जैसे बयान दे रहा है।

साल 2008 में मुंबई में हुए आंतकी हमले के बाद से भारत और पाक क्रिकेट बोर्ड के बीच मतभेद बढ़े हैं क्योंकि उसके बाद से ही दोनों टीमों के बीच कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गयी है। इस कारण पाक ने विश्वकप में भारत के खिलाफ अहमदाबाद में मैच खेलने से इंकार कर दिया था पर आईसीसी ने उसकी मांग को ठुकरा दिया और कहा कि मैच तय स्थल पर ही होगा। पाके के ही पूर्व क्रिकेटरों वसीम अकरम और शाहिद अफरीदी ने भी मैच स्थल को लेकर विवाद करने को लेकर पीसीबी पर सवाल उठाये हैं।

अजीत अगरकर बन सकते हैं टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर, दिल्ली कैपिटल्स से दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली।(एजेंसी)। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज अजीत अगरकर बीसीसीआई पुरुष मुख्य चयनकर्ता पद की दौड़ में सबसे आगे आ गए हैं। बुधवार को अजित अगरकर का नाम इस रेस के लिए सामने आया था। माना जा रहा है कि मुख्य चयनकर्ता पद के लिए साक्षात्कार 1 जुलाई को हो सकता है। फरवरी में चेतन शर्मा के अनौपचारिक रूप से बाहर होने के बाद शिव सुंदर दास वर्तमान में अंतरिम आधार पर पुरुष चयन समिति का नेतृत्व कर रहे हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून है। सीएसी के पास ऐसे चयनकर्ता को चुनने का अधिकार है जो मतभेद होने पर हाई प्रोफाइल टीम प्रबंधन के सामने खड़ा हो सके।

बढ़ी संभावनाएं

अजित अगरकर ने बृहस्पतिवार को दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल टीम में सहायक कोच के पद से इस्तीफा दे दिया। दिल्ली कैपिटल्स ने इसकी पुष्टि भी कर दी है। दिल्ली कैपिटल्स टीम छोड़ने की खबर से

यह साफ हो गया कि वह वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के लिये टी20 टीम चुनते समय मुख्य चयनकर्ता हो सकते हैं। अगरकर पहले भी मुख्य चयनकर्ता के पद से जुड़े थे, लेकिन इस बार उन्हें उच्च दबाव वाली नौकरी मिलने की संभावना है। अगर अगरकर को नियुक्त किया जाता है, तो पश्चिम क्षेत्र से दो चयनकर्ता होंगे और सलिल अंकोला दूसरे होंगे। अगरकर 2021 में भी चयनकर्ता के पद के लिये इंटरव्यू दे चुके हें जब उत्तर क्षेत्र से चेतन शर्मा समिति के अध्यक्ष बने थे।

टीम इंडिया में रहा है शानदार सफर

दिवंगत रमाकांत आचरेकर के शिष्य रहे 45 वर्ष के अगरकर 191 वनडे, 26 टेस्ट और चार टी20 मैच खेल चुके हैं। समझा जाता है कि उस समय मुंबई क्रिकेट संघ को अगरकर की दावेदारी से समस्या थी और यही वजह है कि उन्हें नहीं चुना गया। इसके अलावा उन्हें चुनने पर चेतन शर्मा अध्यक्ष नहीं बनते जिन्हें बोर्ड के एकवर्ग का समर्थन हासिल था। एमसीए के मौजूदा पदाधिकारियों को अब दिक्कत नहीं है क्योंकि उनके पास सलिल अंकोला है। दिलीप वेंगसरकर और रवि शास्त्री के नाम की भी अटकलें लगाई जा रही है लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है कि उन्होंने आवेदन किया है या नहीं। वेंगसरकर 2005 से 2008 तक अध्यक्ष रह चुके हैं और अधिकतम कार्यकाल चार साल का होता है यानी उनके पास एक ही साल बचा है।

स्पैशल ओलिम्पिक्स में विजेता खिलाड़ियों का स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत

लुधियाना । जर्मनी में हाल ही सम्पन्न हुए स्पैशल ओलिम्पिक्स विश्व समर गेम्स-2023 में शानदार प्रदर्शन कर स्वदेश लौटने वाले खिलाड़ियों का शानदार स्वागत किया गया। स्पैशल ओलिम्पिक्स में पंजाब के सात खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में 3 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य पदक जीते हैं। पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने इन खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह पंजाब के लिए गर्व की बात है कि पंजाब के खिलाड़ियों ने स्पैशल ओलिम्पिक्स में अच्छा प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि अधिक अहम बात यह है कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चे अनेक चुनौतियों और कठिनाइयों के बाद भी कड़ी मेहनत और लगन से खेलों में भाग ले रहे हैं तथा देश के लिए पदक जीत रहे हैं। खेल मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देशों पर खेल विभाग द्वारा तैयार की जा रही नई खेल नीति में पैरा खेलों के साथ-साथ स्पैशल ओलिम्पिक्स/डैफ एंड ब्लाइंड गेम्स के खिलाड़ियों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए खिलाड़ियों, उनके माता-पिता और कोचिंग स्टाफ को श्रेय देते हुए स्पैशल ओलिम्पिक्स पंजाब के सलाहकार डॉ. परमजीत सचदेवा के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

भारतीय महिला टीम को मिलेगा नया मुख्य कोच, 30 जून को चुना जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच पद के लिए शार्टलिस्ट किये गये उम्मीदवारों में अमोल मजूमदार और तुषार अरोठे शामिल हैं जिनका 30 जून को साक्षात्कार लिया जायेगा। अरोठे बीते समय में भारतीय टीम को कोचिंग दे चुके हैं जबकि मजूमदार इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय टीम के कोच रह चुके हैं और बड़ौदा का कोच बनने के लिए उनकी बातचीत चल रही है।

पता चला है कि इंग्लैंड के जॉन लुईस ने भी इस पद के लिये आवेदन दिया है जो डरहम के पूर्व कोच रह चुके हैं। अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे और सुलक्षणा नायक की क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) मुंबई में साक्षात्कार लेगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के एक अधिकारी ने कहा, ''साक्षात्कार शुक्रवार को लिये जायेंगे।'' हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम दिसंबर से मुख्य कोच के बिना है जब रमेश पोवार को इस पद से बर्खास्त कर दिया गया था। इस साल के शुरू में टी20 विश्व कप के दौरान बल्लेबाजी कोच ऋषिकेश कानिटकर ने टीम की जिम्मेदारी संभाली थी।

एक पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि तुषार को वापस लाना अच्छा विकल्प होगा। टीम को ऐसे कोच की जरूरत है जिसके पास नये आइडिया हों। अमोल जैसा कोच उन्हें आगे ले जाने के लिए सही होगा।'' मुख्य कोच चुनने के बाद सीएसी के भारतीय पुरुष टीम के लिए मुख्य चयनकर्ता नियुक्त करने की संभावना है क्योंकि यह पद चेतन शर्मा को बाहर किये जाने के बाद फरवरी से खाली पड़ा है। इसके लिए आवेदन भरने की अंतिम तारीख 30 जून है और इसके साक्षात्कार एक जुलाई को होने की संभावना है। अजीत अगरकर मुख्य चयनकर्ता के पद की दौड़ में आगे चल रहे हैं।

प्रमुख खिलाड़ी चोटिल नहीं हों तो भारतीय टीम मजबूत रहेगी : कपिलं

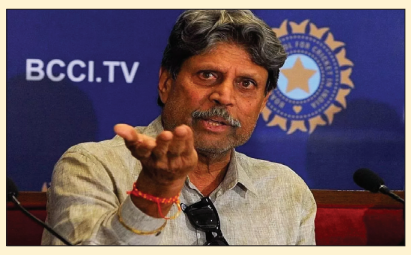

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है अगर प्रमख खिलाड़ी चोटिल नहीं रहें तो भारतीय टीम मजबूत हो जाएगी। कपिल ने टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की फिटनेस पर चिंता जताई और कहा कि चोट से पहले भी कई खिलाड़ियों का करियर खराब हुआ है। कपिल ने कहा, चोटें हर खिलाड़ी के जीवन का हिस्सा है पर मुझे उम्मीद है कि स्थिति सुधरेगी अभी कई भारतीय खिलाड़ी चोटिल हैं। मुझे विशेष रुप से हमेशा हार्दिक के लिए चिंता होती है क्योंकि वह बहुत जल्दी ही चोटिल हो जाते हैं। अगर वो सभी खिलाड़ी फिट हो जाएं तो भारत की टीम सबसे पक्की बन जाएगी। अभी चोटिल होने के कारण ही केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह भी टीम से बाहर हैं। वहीं भारतीय टीम चाहती है कि 2020 विश्व कप से पहले उसके प्रमुख खिलाड़ी अपनी पूरी फिटनेस हासिल करके लौट आएं। पांड्या आईपीएल में गुजरात टाइटंस की कप्तानी करने के बाद से ब्रेक पर हैं। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2023 के फाइनल में प्रवेश किया पर चेन्नई सुपरकिंग्स के हाथों 5 विकेट की शिकस्त झेलनी पड़ी थी। पांड्या अब वेस्टइंडीज दौरे पर खेलते हुए दिखेंगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में पांड्या उप-कप्तानी की जिम्मेदारी निभाते हुए नजर आएंगे।

कुवैत के खिलाफ मैच ड्रॉ हार होने से नाराज हैं भारतीय टीम के कप्तान: छेत्री

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम का कुवैत के खिलाफ सैफ चैंपियनशिप 2023 का अंतिम ग्रुप-ए मैच 1-1 से बराबरी पर रहा। इससे भारतीय टीम के कप्तान सुनील छेत्री नाराज हैं उन्हें ये परिणाम हार की तरह लग रहा है। छेत्री ने इस मैच में अपना 92वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया पर अनवर अली के आत्मघाती गोल से भारतीय टीम के हाथ से जीत फिसल गयी। अंतिम बार भारत ने कुवैत के साथ 2010 में एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेला था, जहां उसे हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच से अगर तुलना की जाये तो भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा कहा जा सकता है। छेत्री हालांकि अब भी संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने कहा, ''मेरे मन में जो भावना आती है वह हार की है, क्योंकि हमने अंतिम मिनटों में उन्हें गोल करने दिया। मुझे

भरोसा है कि हमने बहुत सारी अच्छी चीजें कीं। जब हम वीडियो विश्लेषण देखेंगे, तो हमें बेहतर पता चलेगा। उन्होंने कहा, ''हम काफी हद तक जीत सकते हैं जिसके लिये हमने प्रशिक्षण लिया था। साथ ही कहा कि कुवैत कोई आसान टीम नहीं है। यह टीम खेलना जानती है और हम यह देख सकते हैं। मुझे लगता है कि हमने अधिकांश समय अच्छा प्रदर्शन किया पर अभी मैं इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। एक बार जब हम वीडियो देखेंगे तो शायद हम इसे बेहतर तरीके से समझ पाएंगे।

कुवैत के खिलाफ मैच विवादों से भरा रहा, जिसमें भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमाच को असहमति के लिये लाल कार्ड दिखाया गया। यह टूर्नामेंट में दूसरी बार है जब स्टिमाच को दूसरा लाल कार्ड दिखाया गया है। इससे पहले उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भी लाल कार्ड दिखाया गया था। भारतीय टीम के सहायक कोच महेश गवली ने कुवैत मैच के दौरान रेफरी के व्यवहार की कड़ी आलोचना की और सैफ से रेफरियों के मानक को बढ़ाने का आग्रह किया था। छेत्री हालांकि कोचिंग के स्तर पर बात करने से बचते नज़र आये।

चंद्रशेखर से मिलने अस्पताल पहुंचे बजरंग व साक्षी

सहारनपुर । पहलवान बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक आज आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद से मिलने पहुंचे अस्पताल पहुंचे। चंद्रशेखर बुधवार को हुए एक हमले में घायल हो गये थे। मुलाकात के दौरान बजरंग और साक्षी ने कहा कि आज सच की लड़ाई लड़ने वालों पर ही हमले हो रहे हैं। हमारी यही मांग है कि हमलावरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। साथ ही कहा कि चंद्रशेखर किसी एक समाज के नहीं, बल्कि सर्व समाज के नेता हैं और सच की लड़ाई लड़ने वाले हर व्यक्ति के साथ खड़े रहते हैं। चाहे वह किसान आंदोलन रहा हो या फिर पहलवानों की लड़ाई। चंद्रशेखर ने आंदोलन के दौरान हर बार खुलकर उनका साथ दिया था। इसी कारण ही वह उन्हें देखने आये हैं। बजरंग और साक्षी सीधे आईसीयू पहुंचे। इस दौरान साक्षी ने कहा कि यह हमला शर्मनाक है। पुलिस को तत्काल इस अपराधियों को गिरफ्तार करना चाहिए। चंद्रशेखर पर हुए इस हमले के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में हमले में इस्तेमाल की हुई संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार को भी कब्जे में लिया गया है। इसके अलावा कुछ लोगों को भी हिरासत में लिय गया है।

वापसी के तुरंत बाद रहाणे को टेस्ट उप कप्तान बनाने का फैसला समझना मुश्किल: सौरव गांगुली

बुलावायो (एजेंसी)। नयी दिल्ली। सौरव गांगुली को अजिंक्य रहाणे को टेस्ट में उप कप्तानी की जिम्मेदारी देना काफी हैरानी भरा लग रहा है क्योंकि वह करीब 18 महीने तक टीम से बाहर थे और पूर्व भारतीय कप्तान ने चयन प्रक्रिया में निरंतरता और स्थिरता लाने की मांग की। डेढ़ साल पहले तक 35 वर्षीय रहाणे टीम में शामिल होने की दौड़ से बाहर थे लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ इस महीने के शुरु में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में वह 89 और 46 रन की पारियां खेलकर भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे।

वापसी करने के महज एक टेस्ट बाद ही अंतरिम प्रमुख शिव सुंदर दास की अगुआई वाली राष्ट्रीय चयन

समिति ने रहाणे को वेस्टइंडीज टेस्ट श्रृंखला के लिए फिर से उप कप्तान नियुक्त कर दिया। तो क्या इस भूमिका के लिए किसी अन्य खिलाड़ी जैसे शुभमन गिल को तैयार करना आदर्श नहीं होता तो इस पर गांगुली ने लंदन से पीटीआई से कहा, ''हां, मुझे भी ऐसा ही लगता है।'' हालांकि उन्होंने रहाणे को उप कप्तान बनाने के फैसले को पीछे की ओर लिया हुआ कदम करार नहीं किया लेकिन उन्होंने इसे व्यावहारिक फैसला भी नहीं बताया। उन्होंने कहा, ''मैं ऐसा नहीं कहूंगा कि यह पीछे की ओर उठाया गया कदम है। आप 18 महीने से बाहर हो, फिर आप एक टेस्ट खेलते हो और आपको उप कप्तान बना दिया जाता है। मुझे इसके पीछे की सोच प्रक्रिया समझ नहीं आयी। रविंद्र जडेजा भी टीम में है जो काफी लंबे समय टीम में है और टेस्ट मैचों में निश्चित ही खेलता है, वह एक उम्मीदवार है।''

नोवाक जोकोविच को पछाड़ कर अल्काराज ने पाया शीर्ष स्थान, इगा स्वियातेक भी टॉप पर

विंबलडन 2023 के लिए फ्रेंच ओपन में इस बार जीत हासिल कर ऐतिहासिक रुप से 23 ग्रैंडस्लैम जीतने की उपलब्धि हासिल करने वाले सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच के फैंस के लिए बुरी खबर है। इस बार विंबलडन में चार बार के गत चैम्पियन नोवाक जोकोविच को वरीयता नहीं मिली है बल्कि उनकी जगह स्पेन के 20 वर्षीय कार्लोस अल्काराज को शीर्ष पर काबिज किया गया है। आल इंग्लैंड क्लब ने एटीपी और डब्ल्यूटीए रैंकिंग के मुताबिक इस बार पुरुष वर्ग में कार्लोस अल्काराज और महिला वर्ग में चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता पोलैंड की 22 वर्षीय इगा स्वियातेक को शीर्ष स्थान दिया है। जानकारी के मुकाबिक सोमवार को पुरुष रैंकिंग में नोवाक जोकोविच को मात देकर अल्कराज ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। बता दें कि इससे पहले इसी महीने 11 जून को फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट में नोवाक जोकोविच ने 23वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। हालांकि इस टूर्नामेंट के बाद उन्होंने कोई और मुकाबला नहीं खेला है। इस कारण अब नोवाक जोकोविच दूसरे पायदान पर खिसक गए है।

भारत, पाकिस्तान सहित ये चार टीम सेमीफाइनल में पहुंचेंगी: गेल

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज क्रिस गेल ने कहा कि अक्टूबर-नवंबर में अपनी ही धरती पर होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम हावी रहेगी। गेल के अनुसार इस विश्वकप में भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीमे सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। यह एक दिवसीय विश्व कप पांच अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेला जाएगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार आईसीसी ट्रॉफी एक दशक पहले जीती थी , उसके बाद से ही भारतीय टीम कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी है। इसको लेकर गेल ने कहा, 'भारत ही नहीं, वेस्टइंडीज ने भी 2016 के बाद से आईसीसी खिताब नहीं जीता है। भारत के पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उसे अपनी धरती पर खेलने का लाभ भी मिलेगा हालांकि उसपर पर खिताब जीतने का दबाव भी होगा क्योंकि उसे प्रशंसकों की उम्मीदें पर खरा उतरना होगा। वहीं सेमीफाइनल में कौन सी टीमें पहुंचेंगी तो गेल ने कहा, 'यह बहुत कठिन सवाल है लेकिन मुझे लगता है कि भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड चार टीमें होंगी। गेल ने कहा कि आईपीएल के जरिए फार्म हासिल करने वाले विराट कोहली इस टूर्नामेंट में जमकर रन बनाते हुए विरोधी टीमों पर हावी रहेंगे। उन्होंने कहा, 'केवल विराट ही नहीं बल्कि हर खिलाड़ी अपने करियर के दौरान खराब दौर से गुजरता है। कठिन समय ज्यादा देर नहीं रहता पर मजबूत खिलाड़ी लंबे चलते हैं। विराट मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत हैं। वह विश्व कप में भी उसी लय को बनाये रखेंगे।

कोहली ने आईपीएल 2023 में 14 मैचों में 53.25 की औसत से 639 रन बनाए थे जिसमें दो शतक और छह अर्धशतक शामिल है। गेल ने कहा, 'खिलाड़ियों के कैरियर में ऐसे दौर आते हैं जब सब कुछ निराशाजनक लगता है और ऐसे में मनोबल बढाने के लिये सकारात्मक ऊर्जा की जरूरत होती है। उसके बाद खिलाड़ी अपने चिर परिचित अंदाज में लौट आता है। भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप के मैचों को लेकर हमेशा मचने वाली हाइप को देखते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि इन दोनों टीमों के क्रिकेटरों को तो ज्यादा पैसे की मांग करनी चाहिए।

गेल ने कहा, 'जब भी ये दोनों टीमें आपस में खेलती है और खासकर विश्व कप में तो जमकर कमाई होती है। एक ही मैच पूरे आईसीसी टूर्नामेंट के बराबर कमाई कर सकता है। वहीं अपनी देश की टीम वेस्टइंडीज के टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने की बेहद कम उम्मीदें से गेल बेहद दुखी हैं।

उन्होंने कहा, 'टीम को इस हालत में देखकर बहुत दुख होता है। उनके लिए यह

काफी कठिन होगा और अगर भारत में विश्व कप में वेस्टइंडीज टीम नहीं होती है तो मुझे काफी निराशा होगी। उम्मीद है कि भविष्य में वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए हालात बेहतर होंगे।

शिफ्ट में काम करने वाले पुरुष न रहें इस खतरे से अनजान

शिफ्ट में काम करने वाले लोगों खासकर पुरुषों को सामान्य की तुलना में सेहत से जुड़े एक बड़े खतरे का रिस्क ज्यादा होता है। हाल में हुए शोध की मानें तो शिफ्ट में काम करने वाले पुरुषों को टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क अधिक होता है। साथ ही जो लोग एक निर्धारित पाली की जगह बदलती हुई शिफ्ट में काम करते हैं उन्हें यह खतरा और भी ज्यादा होता है।

न्यूयॉर्क के लेनोक्स अस्पताल के क्लीनिकल मनोविज्ञानी डॉ. एलेन मेनेविट्ज कहते हैं कि यह शोध ज्यादा चौंकाने वाला नहीं है। डॉक्टर काफी समय से महसूस कर रहे थे कि अलग-अलग पालियों में काम करने से शरीर के रसायन प्रभावित होते हैं और इससे आंतों और दिल की बीमारियां हो सकती हैं।

यहां तक कि इससे कैंसर की आशंका भी रहती है। अब टाइप-2 मधुमेह को भी इस सूची में जोड़ा जा सकता है।

विज्ञानियों ने निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए 12 अंतरराष्ट्रीय शोधों का सहारा लिया जिनमें लगभग सवा दो लाख लोग शामिल थे।

मुख्य शोधकर्ता चीन के वुहान में हुआजोंग यूनिवर्सिटी के जुआन ली हैं, उनका कहना है कि इसमें कर्मचारियों के कई पहलुओं को शामिल किया गया है। जैसे पाली कब से कब तक है, बाडी मास इंडेक्स (वजन और लंबाई की गणना), परिवार में किसी को मधुमेह था या नहीं और शारीरिक सक्रियता।

हालांकि नतीजे सीधे-सीधे कुछ नहीं कहते पर पाया गया कि शिफ्ट में काम करने वाले को मधुमेह होने की संभावना नौ फीसदी अधिक है। अगर कर्मी पुरुष है तो यह आंकड़ा 37 फीसदी हो सकता है।

हालांकि पुरुष मधुमेह की चपेट में क्यों ज्यादा आते हैं इसका कोई साफ कारण नहीं है लेकिन हारमोन टेस्टोस्टेरोन इसमें अहम भूमिका निभाता है।

साथ ही रोटेटिंग शिफ्ट में काम करने वाले लोगों को टाइप 2 डायबिटीज होने का खतरा 42 फीसदी ज्यादा होता है। टीम के अनुसार काम का समय बार-बार बदलने से शरीर के लिए सोने और जागने का समय तय करना मुश्किल हो जाता है।

साथ ही कम सोने से शरीर में इंसुलिन की कमी हो जाती है जिससे डायबिटीज होती है। पहले के अध्ययन में मोटापे को मधुमेह का कारण बताया गया था। टीम का कहना है कि शिफ्ट में काम करने से कोलेस्ट्रोल और रक्तचाप बढ़ते हैं। विज्ञानियों के अनुसार समय-समय पर मधुमेह का टेस्ट कराते रहना ही इस समस्या का निदान है।

ज्यादातर अधेड़ों या बुजुर्गों को होती है। 95 फीसदी मधुमेह रोगी टाइप-2 से भी पीड़ित होते हैं। इसमें शरीर में ज्यादा ग्लूकोज या शुगर बनने लगता है। टाइप टू में शरीर इंसुलिन का इस्तेमाल नहीं कर पाता।

नतीजा मोटापा बढ़ने से होता है। ग्लूकोज सेल तोड़ने के लिए शरीर को ज्यादा इंसुलिन की आवश्यकता होती है। धीरे-धीरे पैंक्रियाज इंसुलिन तैयार करने की क्षमता खो देते हैं। नतीजा कई अन्य रोगों की शुरुआत।

अलग-अलग पालियों में काम करने का असर

सोने और जागने का समय तय करना हो जाता है मुश्किल
शरीर के रसायन होतेहैं प्रभावित
आंतों और दिल की बीमारियां होने का खतरा
कैंसर के अलावा टाइप-2 डायबिटीज की चपेट में भी आ सकते हैं।

चाय में छिपा खूबसूरती का राज

चाय का सेवन कुछ लोग थकान दूर करने तो कुछ आदतन करते हैं, लेकिन चाय की एक प्याली हमारे जीवन के अलग-अलग आयामों के लिए लाभदायक हो सकती है। वेबसाइट फीमेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके' के मुताबिक, हाल ही में किए गए एक वैज्ञानिक शोध में यह बात सामने आई है कि चाय मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक दृष्टिकोण से लाभदाई होती है। वैज्ञानिकों ने हर किस्म के चाय से जुड़े स्वास्थ्य के सभी फायदे का परीक्षण किया, जिसमें पाया गया कि यह न सिर्फ शारीरिक सौंदर्य बल्कि वजन कम करने और त्वचा में नमी बरकरार रखने के लिए भी लाभदायी होती है। टी एडवायजरी पैनल (टीएपी) के विशेषज्ञों ने चाय से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

त्वचा को नम बनाना - शरीर के अंगों, त्वचा और कोशिका के लिए पानी आवश्यक होता है। नए अध्ययन में पाया गया है कि प्रतिदिन छह कप चाय का सेवन करने से इनकी यह जरुरत पूरी हो जाती है।

स्वस्थ त्वचा में चाय की भूमिका - स्वस्थ त्वचा यानी नम त्वचा। पर्याप्त तरल पदार्थ लेना, जिसमें सभी प्रकार के चाय शामिल हो सकती है, शरीर में तरलता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

क्योंकि खासतौर से गर्मी के दिनों में शरीर से पर्याप्त मात्रा में पानी निकल जाता है। पर्याप्त पानी से त्वचा अच्छे हालात में बनी रहती है।

चाय और वजन घटाना -चाय का सेवन करने से कुछ समय तक वजन ज्यादा नहीं बढ़ता। एक सप्ताह से ज्यादा चाय पीने से चाय न पीने वालों की अपेक्षा वजन कम बढ़ता है। काली चाय, कम मलाई वाले दूध की चाय और बिना चीनी वाली चाय सहित सभी चाय में अन्य चर्चित पेय पदार्थो की अपेक्षा कम कैलोरी होती है।

चाय और खूबसूरती - चाय में हमारी त्वचा की खूबसूरती के लिए पर्याप्त पानी मौजूद होता है और यह वजन घटाने में मदद करता है। एक टी बैग में भी खूबसूरती के राज छिपे होते हैं। टी बैग को गुनगुने पानी में डाल कर फिर इसे बंद आंखों के ऊपर रखने से आंखों को थकान से राहत मिलती है।

अवसाद बढ़ा सकता है अत्यधिक छोटा या लंबा होना

सेना में अधिक शारीरिक लंबाई और कम लंबाई वाले लोगों में औसत लंबाई वाले अपने सहयोगियों की अपेक्षा अवसाद का खतरा ज्यादा होता है। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं का कहना है कि औसत से अधिक लंबे या कम लंबे पुरुषों में अवसाद की समस्या का खतरा ज्यादा होता है। कैलिफोर्निया के कैंप पेंडल्टन स्थित नेवेल हॉस्पीटल की वेलेरी क्रुपनिक और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया की मारिया केरकासोवा ने एक मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक में सेना के ड्यूटी पर तैनात 196 पुरुषों में अवसाद संबंधी बातों का अध्ययन किया। शोधकर्ताओं का अनुमान था कि औसत से कम लंबाई वाले सैनिकों में अवसाद का खतरा ज्यादा हो सकता है, क्योंकि सेना में शारीरिक कौशल ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। इसके उलट शोधकर्ताओं ने पाया कि अवसाद की समस्या औसत से अधिक लंबे पुरुषों में भी कहीं ज्यादा होती है, क्योंकि कई बार वे अपनी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। क्रुपनिक ने कहा, बच्चों के शारीरिक कद को ध्यान में रखकर हमारे यहां विशेष कार्यक्रम नहीं चलाए जाते।

बारिश में जुकाम से कैसे बचें

इस मौसम में सर्दी-खाँसी आम बात है। तुलसी और अदरक इस मौसम में लाभदायक होते हैं। तुलसी में काफी उपचारी गुण समाए होते हैं, जो जुकाम और फ्लू आदि से बचाव में कारगर हैं। तुलसी की पत्तियाँ चबाने से कोल्ड और फ्लू दूर रहता है। इसी तरह तुलसी और बांसा की पत्तियाँ (प्रत्येक 5 ग्राम) पीसकर पानी में मिलाएँ और काढ़ा तैयार कर लें। इससे खाँसी और दमा में काफी फायदा मिलेगा। अलसी के बीज (लिनसीड) भी खाँसी के इलाज में काफी कारगर होते हैं, क्योंकि ये बलगम बाहर निकालने में मदद करते हैं। इनका काढ़ा बनाकर पी लें या फिर बीजों को पीसकर चाट लें। जल्द राहत के लिए 10 ग्राम अलसी के पिसे बीजों को मुलैठी के चूर्ण में मिलाएँ और 200 मिली पानी में इन्हें पानी के आधा रह जाने तक उबालें। इसमें 20 ग्राम शुद्ध शहद मिलाएँ और गरम-गरम पिएँ। इससे शरीर का बलगम बाहर निकलता है और खाँसी में राहत मिलती है। अदरक की चाय इस मौसम में स्वाद और सेहत दोनों की दृष्टि से अच्छी है।

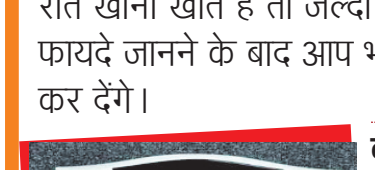

गंजेपन से हमेशा के लिए छुटकारा दिलाएगा यह उपाय

सिर पर बाल झड़ गए हैं या गंजेपन ने आपको समय से पहले ही अंकल बना दिया हो निराश न हों, इससे हमेशा के लिए छुटकारा अब और भी सुलभ है।

वैज्ञानिकों ने सीने के बाल को सिर पर ट्रांसप्लांट कर गंजेपन के बावजूद भी बाल उगाने में सफलता प्राप्त की है। इस विधि को उन्होंने फॉलिक्यूलर युनिट एक्सट्रैक्शन का नाम दिया है।

क्यों है अधिक असरदार

अब तक बालों के ट्रांसप्लांट के दौरान सिर के पिछले हिस्से से, जहां बाल अधिक होते हैं, बाल निकालकर सिर के उन हिस्सों पर लगाया जाता है जहां बाल झड़ चुके हों।

यह प्रक्रिया दर्दनाक तो होती ही है, साथ ही इसकी सफलता की गुंजाइश भी पूरी नहीं होती है। अक्सर गंजेपन के दौरान लोगों के सिर के पिछले हिस्से में भी बाल या तो कम होते हैं या फिर कमजोर, इसलिए जरूरी नहीं कि इनका ट्रांसप्लांट पूरी तरह सफल ही हो।

ऐसे में सीने के बालों को सिर पर लगाने की यह विधि अपेक्षाकृत अधिक असरदार है।

कैसे होगा ट्रांसप्लांट

इस प्रक्रिया के अंतर्गत सर्जन मरीज के सीने पर शेव कर बाल निकाल लेता है। इफर इनमें से सेहत फॉलिकल को मरीज के सिर के गंजे भाग पर ट्रांसप्लांट करता है।

सामान्यतः एक बार सिर पर इस विधि से बाल ट्रांसप्लांट करने का खर्च 10,000 पाउंड यानी 10,20,268 रुपए आता है।

रात में जल्दी खाना खाने के ये है फायदे

रात में भोजन कैसा हो, सेहत के लिए यह जितना जरूरी है, भोजन कब हो जैसा सवाल भी उससे कम जरूरी नहीं है। आमतौर पर डॉक्टरों का मानना है कि रात के भोजन और सोने के बीच कम से कम 2 घंटे का अंतर सेहतमंद जीवन के लिए बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आप अब भी देर रात खाना खाते हैं तो जल्दी भोजन करने के ये 5 फायदे जानने के बाद आप भी जल्दी खाना शुरू कर देंगे।

वजन पर नियंत्रण

अगर आप देर रात खाना खाएंगे तो सुबह का नाश्ता इससे प्रभावित होगा। कई शोधों में यह माना जा चुका है कि सुबह का नाश्ता ठीक से न करने के कारण लोग दिन भर ओवरडाइट करते हैं।

रात के भोजन का आपकी बॉडी क्लॉक व्यवस्थित रखने में बड़ा रोल है जिससे और ओवरडाइट न करें और मोटापे के शिकार न हो सकें।

गैस्ट्रिक संबंधी समस्याओं से बचाव

अगर आपको गैस्ट्रिक संबंधी समस्याएं अधिक होती हैं तो आप रात में जल्दी खाने की आदत डाल ही लें।

दरअसल, खाने के ठीक बाद सोने से भोजन का पाचन अच्छी तरह नहीं हो पाता है जिससे हार्टबर्न जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

अच्छी नींद के लिए

रात में जल्दी और सेहतमंद भोजन करने से नींद न आने की समस्या को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। यह बॉडी क्लॉक को व्यवस्थित रखने में मददगार है जिससे नींद न आने की दिक्कत दूर होती है।

ऊर्जा बरकरार रहती है

देर रात तक ढेर सारा भोजन करने से आप नाश्ता अच्छी तरह नहीं कर पाते जिससे दिन भर आपको ऊर्जा की कमी महसूस होती है। रात में जल्दी खाने से अगले दिन सुबह का नाश्ता भरपूर होता है जिससे ऊर्जा बनी रहती है।

रोगों से बचाव

कई शोधों में माना जा चुका है कि रात में जल्दी भोजन करने वाले लोगों को हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसे दिल के रोगों का रिस्क कम होता है।

फांस में पुलिस की गोलीबारी में लड़के की हत्या पर हिंसक विरोध प्रदर्शन, 77 गिरफ्तार

पेरिस । फ्रांस में ट्रैफिक स्टॉप पर पुलिस द्वारा 17 साल के एक लड़के की गोली मारकर हत्या करने के मामले में देश भर में हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहा है। कम से कम 77 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय फ्रांसीसी मीडिया के अनुसार, नाहेल एम. की हत्या के विरोध में बुधवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में प्रदर्शनकारियों को कारों में आग लगाते और दुकानों में तोड़फोड़ करते देखा जा सकता है। फ्रांसीसी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, नानटेयर में पुलिस को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। पेरिस में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस स्टेशनों को आतिशबाजी से निशाना बनाया, उत्तरी शहर लिली में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। स्थानीय मीडिया के अनुसार बुधवार को भी लड़के को श्रद्धांजलि देने के लिए रेने शहर में लगभग 300 लोग जमा हुए, जिन्हें पुलिस ने तितर-बितर कर दिया। हत्या को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अक्षम्य अपराध कहा है। उन्होंने पुलिस यूनियनों की आलोचना की। एलायंस पुलिस यूनियन ने दोषी पाए जाने तक उन्हें निर्दोष मानने का आह्वान किया, जबकि यूनाइट एसजीपी पुलिस ने भी राजनीतिक हस्तक्षेप की बात कही जिससे पुलिस विरोधी नफरत और बढ़ गई। एक बयान में गृह मंत्री गेराल्ड डर्मेनिन ने कहा कि वह फ्रांस पुलिस के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे, जिसने लड़के की हत्या को उचित ठहराने की मांग करने वाला एक ट्वीट किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नाहेल की हत्या का आरोपी अधिकारी, जिसने कहा कि उसने गोली चलाई थी क्योंकि उसे लगा कि उसकी जान खतरे में है, हिरासत में है। नाहेल इस साल फ्रांस में ट्रैफिक रोके जाने के दौरान पुलिस की गोलीबारी में मारा जाने वाला दूसरा व्यक्ति है। पिछले साल इस तरह से रिकॉर्ड 13 लोगों की मौत हुई थी।

विश्वविद्यालय की एक कक्षा में तीन लोगों पर चाकू से किया हमला

टोरंटो । कनाडा में वाटरलू विवि में एक कक्षा में तीन लोगों पर एक शख्स ने चाकू से हमला कर दिया। हमले की घटना सामने आने के बाद इस मामले में एक संदिग्ध को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हमला वाटरलू विश्वविद्यालय में 'जेंडर स्टडीज' की कक्षा में किया गया। हमले का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि घायलों में से किसी की जान को कोई खतरा नहीं है। जांचकर्ता संदिग्ध से पूछताछ कर रहे हैं। वाटरलू क्षेत्रीय पुलिस सेवा अधीक्षक शाएना मॉरिस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा परिसर या उसके बाहर जन सुरक्षा को अब कोई खतरा नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार वाटरलू विश्वविद्यालय के संचार विभाग के एसोसिएट उपाध्यक्ष निक मैनिंग ने संदिग्ध की पहचान विश्वविद्यालय समुदाय के सदस्य के तौर पर की, हालांकि उसके छात्र होने की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। मैनिंग ने बताया कि हमला 'फिलॉसफी 202' में हुआ। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के अनुसार इसमें जेंडर स्टडीज की कक्षा होती है। मैनिंग ने कहा कि हम ऐसी घटना के यहां होने को लेकर काफी चिंतित हैं। यह स्तब्ध करने वाला है। वाटरलू विश्वविद्यालय के छात्र युसूफ कयामक ने बताया कि हमला 'जेंडर स्टडीज' की कक्षा में हुआ। हमले के समय कक्षा में करीब 40 छात्र मौजूद थे। विश्वविद्यालय ने ट्वीट किया कि हेगी हॉल में बुधवार शाम को होने वाली कक्षाएं रद्द कर दी गईं, लेकिन अन्य सभी 'कैंपस' में सामान्य रूप से कक्षाएं हुईं। घटना के बाद से विव में सनसनी फैल गई है।

बैक्टीरिया इंफेक्शन के कारण आईसीयू में भर्ती हुई सिंगर मैडोना

न्यूयॉर्क । अमेरिकन पॉप सिंगर मैडोना की तबीयत खराब होने की वजह से उन्हें बीते शनिवार को न्यूयॉर्क सिटी हॉस्पिटल ले जाया गया, जिसके बाद डॉक्टर्स ने सिंगर को आईसीयू में भर्ती किया था। मैडोना की उम्र 64 साल है। जांच से पता चला कि मैडोना को एक गंभीर बैक्टीरिया इंफेक्शन हो गया, इसकारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। आईसीयू में भर्ती होने के कारण सिंगर का अपकमिंग सेलिब्रेशन टूर भी टालना पड़ा। मैडोना के मैनेजर ने मैडोना की बीमारी के बारे में बताकर लिखा, 24 जून को मैडोना को गंभीर बैक्टीरियल इंफेक्शन हो गया था, जिसकी वजह से उन्हें कई दिनों तक आईसीयू में रखा गया। इस समय उनके सारे काम और टूर को होल्ड पर रखा जा रहा है। जैसे ही हमें अधिक जानकारी मिलेगी, हम आपके साथ शेयर करने वाले हैं। मैडोना की इस हालत का कारण उनकी 12 घंटे की रिहर्सल को माना जा रहा है। सिंगर अपने अपकमिंग शो के लिए 12 घंटो तक लगातार रिहर्सल करती रहीं जिस कारण उनके शरीर को प्रोपर रेस्ट नहीं मिल रहा था।

भारतीय मूल के उबर ड्राइवर को तीन साल की जेल, अपराध ऐसा की फूल गए बाइडेन प्रशासन के हाथ पांव

वॉशिंगटन । अवैध रूप से 800 से अधिक भारतीयों को अमेरिका में दाखिल कराने के मामले में 49 वर्षीय उबर ड्राइवर भारतीय मूल के व्यक्ति राजिंदर पाल सिंह को तीन साल की सजा सुनाई गई है। अमेरिका न्याय विभाग के मुताबिक कैलिफोर्निया निवासी सिंह ने फरवरी में अपना गुनाह कबूल कर लिया। साथ ही कबूल किया कि लोगों को अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश दिलाने के नाम पर पांच लाख डॉलर से अधिक का मुनाफा कमाया। रिपोर्ट के अनुसार कार्यवाहक अमेरिका अटॉर्नी टेसा गोर्मन ने कहा कि राजिंदर सिंह को कुछ भारतीयों को ट्रांसपोर्ट और स्टे देने की साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश के लिए 45 महीने की जेल की सजा मिली है। करीब चार साल के भीतर दोषी राजिंदर सिंह ने कनाडा से वॉशिंगटन राज्य में उत्तरी सीमा पार 800 से अधिक भारतीय लोगों को भेजा। इसकारण अमेरिका के लिए राज्य की सुरक्षा खतरे में पड़ गई और अवैध रूप से आ रहे लोगों की जान भी खतरे में पड़ गई। सिंह और उसके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज किए मामले के मुताबिक जुलाई 2018 से मई 2022 तक कनाडा से अवैध रूप से सीमा पार करने वाले लोगों को सिएटल क्षेत्र में ले जाने के लिए उबर कैब का इस्तेमाल किया। लोगों को अवैध तरीके से अमेरिका लाने के लिए राजिंदर और उसके सहयोगी तड़के सुबह लेकर निकलते थे। इन पूरे चार साल में राजिंदर सिंह ने भारतीय नागरिकों के परिवहन से संबंधित 600 से अधिक यात्राओं की व्यवस्था की। मामले की जांच कर रहे अधिकारी जब राजिंदर सिंह के आवास पर पहुंचे तब उन्हें 45,000 अमेरिकी डॉलर नकद और कई नकली दस्तावेज मिले।

जेद्दा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के सामने गोलीबारी, सुरक्षा गार्ड और बंदूकधारी की मौत

वाशिंगटन । सऊदी अरब के तटीय शहर जेद्दा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के सामने गोलीबारी में सुरक्षा गार्ड और एक बंदूकधारी की मौत हो गई। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वाणिज्य दूतावास के बाहर गोलीबारी में किसी भी अमेरिकी को नुकसान नहीं पहुंचा। पुलिस प्रवक्ता के हवाले से कहा, 'शाम 6-45 बजे, एक व्यक्ति वाणिज्य दूतावास भवन के सामने एक कार में रुका और हाथ में हथियार लेकर बाहर निकला। सुरक्षा बलों ने प्रतिक्रिया कीज्परिणामस्वरूप गोलीबारी हुई जिसमें हमलावर मारा गया। गोलीबारी में एक नेपाली सुरक्षा अधिकारी घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, हम मृत स्थानीय गार्ड के परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गंभीर संवेदना व्यक्त करते हैं। विदेश विभाग ने कहा कि सऊदी बलों ने हमलावर को मार गिराया और संयुक्त राज्य अमेरिका रियाद के संपर्क में है, क्योंकि वह मामले की जांच शुरू कर रहा है। बयान में कहा गया, 'वाणिज्य दूतावास को उचित तरीके से बंद कर दिया गया और हमले में किसी भी अमेरिकी को नुकसान नहीं पहुंचा। यह हमला तब हुआ जब सऊदी अरब ने जेद्दा से लगभग 70 किलोमीटर (44 मील) दूर पवित्र शहर मक्का में वार्षिक हज यात्रा के लिए लगभग 1.8 मिलियन मुस्लिम अनुयायियों का स्वागत किया। लाल सागर के तट पर बसे शहर जेद्दा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पहले भी आतंकी हमलों का टारगेट रहा है, जब 4 जुलाई 2016 को अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया था।

फ्रांस में पुलिस की गोली से मारे गये 17 साल के एक लड़के नेहल की मौत के बाद हिंसा भड़क उठी।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन की फिसली जुबान.....पुतिन स्पष्ट रूप से इराक में युद्ध हार रहे

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक मौखिक चूक में कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन स्पष्ट रूप से इराक में युद्ध हार रहे हैं। दरअसल, वह यूक्रेन युद्ध के बारे में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, पुतिन स्पष्ट रूप से इराक में युद्ध हार रहे हैं। वह अपने घर में युद्ध हार रहे हैं। वह दुनिया भर में एक तरह से अछूत बन गए हैं। हाल ही में, अमेरिकी रक्षा विभाग ने यूक्रेन को उसकी 'महत्वपूर्ण सुरक्षा और रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक के अतिरिक्त सुरक्षा सहायता पैकेज की घोषणा की है। सुरक्षा पैकेज में रूस के साथ चल रहे संघर्ष में यूक्रेन के जवाबी आक्रामक अभियानों में सहायता करने और अपनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने की महत्वपूर्ण क्षमताएं शामिल हैं। एक सप्ताह पहले, एंटनी ब्लिंकन ने यूक्रेन के आधुनिकीकरण और पुनरोद्धार को सक्षम करने के लिए निजी क्षेत्र के साथ काम करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता पर भी ध्यान दिया था। स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि मंगलवार को पूर्वी यूक्रेन के क्रामाटोरस्क के मध्य में एक हलचल भरे स्थान पर एक रूसी मिसाइल के हमले में एक बच्चे सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। डोनेट्स्क क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख पावलो किरिलेंको के अनुसार, हमले मंगलवार को स्थानीय समयानुसार लगभग शाम 7:30 बजे हुए।

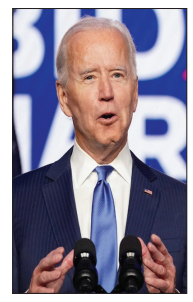

पुतिन से बगावत करने वाले जनरल सुर्गेई गिरफ्तार, रूस में फिर मचा घमासान

मॉस्को (एजेंसी)। इस समय रुस में जनरल सुर्गेई की गिरफ्तारी की खबरें आ रही हैं। हालांकि इसके पीछे यूक्रेन से युद्ध लड़ने में सहयोग करने वाले वैगनर ग्रुप को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। जिसके चलते अब रूस को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन वैगनर ग्रुप ने अब रूस के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है। इस बीच रूस में जनरल सुर्गेई सुरोविकिन को गिरफ्तार करने की खबर सामने आ रही है। हालांकि अभी तक रूस के रक्षा मंत्रालय की तरफ से इस गिरफ्तारी को लेकर कोई बयान नहीं आया है। वहीं मंत्रालय के दो करीबी सूत्रों के हवाले से गिरफ्तारी की पुष्टि की है। जबकि अन्य चैनलों पर जनरल सुर्गेई की गिरफ्तारी की खबरें चल रही हैं। जानकारी के अनुसार बीते शनिवार को वैगनर टीफ येवेगनी प्रिगोझिन की तरफ से राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ विद्रोह शुरू हुआ है, तभी से जनरल सुर्गेई लापता चल रहे हैं। पिछले साल से शुरू हुए इस युद्ध का सुर्गेई को जनरल बनाया गया था। हालांकि उस वक्त सुर्गेई की नियुक्ति को सही

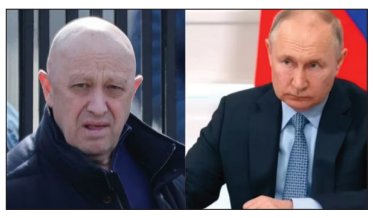

फैसला बताया गया था।

इस संबन्ध में एक करीबी सूत्र ने कहा कि जनरल सुरोविकिन की स्थिति ठीक नहीं है। इससे ज्यादा और कुछ नहीं कह सकता। वहीं एक अन्य सूत्र ने कहा कि सुरोविकिन की गिरफ्तारी प्राइगोझिन के मामले में की गई है। विद्रोह के समय सुरोविकिन ने पुतिन और वैगनर ग्रुप के बीच वैगनर ग्रुप को चुना, जिसके चलते उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं जब सुरोविकिन के ठिकानों के बारे में पूछा गया तो सूत्र ने कहा कि हम इसपर टिप्पणी नहीं कर सकते हैं। वहीं बीते बुधवार को मिलिट्री ब्लॉगर व्लादिमीर रोमानोव ने सुरोविकिन की गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए बताया था कि प्रिगोझिन के विद्रोह का समर्थन करने के अगले ही दिन सुरोविकिन को गिरफ्तार कर लिया गया था। ब्लॉगर रोमानोव को यूक्रेन की जंग का बड़ा समर्थक माना जाता है।

व्लादिनिर रोमानोव ने दावा किया था कि सुरोविकिन को मॉस्को के लेफोर्टोवो हिरासत केंद्र में रखा गया है। इसके अलावा एक रेडियो स्टेशन के चीफ एडिटर एलेक्स वेनेडिक्टोव ने भी टेलीग्राम पर लिखा कि सुरोविकिन तीन दिनों से अपने परिजनों के संपर्क में नहीं हैं। साथ ही उनके गार्ड भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। बता दें कि यूक्रेन से युद्ध के बीच पुतिन के लिए वैगनर ग्रुप का विद्रोह सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। जिसने सबसे गंभीर सुरक्षा संकट को जन्म दिया था। सुरोविकिन ने साल 2022 के अक्टूबर महीने से 2023, जनवरी के बीच तीन महीने के लिए यूक्रेन में रूस की सेना की कमान संभाली थी। इसके बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने चीफ जनरल स्टाफ खवालेरी गेरासिमोव को इस युद्ध की जिम्मेदारी सौंपी थी।

दुश्मन कर सकते हैं डील में बाधा डालने की कोशिश, एमक्यू 9बी ड्रोन को लेकर अमेरिका से अगले चरण की बातचीत करेगा भारत

वाशिंगटन (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि भारत एमक्यू9बी हेल ड्रोन के अधिग्रहण पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ बातचीत करने के लिए तैयार है, नई दिल्ली विदेशी सैन्य बिक्री प्रक्रिया के माध्यम से खरीद में प्रतिस्पर्धी सौदे की मांग कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय ने केवल 31 एमक्यू 9बी हेल ड्रोन हासिल करने की आवश्यकता को स्वीकार किया है और अब कोई गंभीर बातचीत शुरू नहीं हुई है। अभी तक ये ड्रोन सिर्फ अमेरिका के पास हैं। चीन इसे हासिल करने की कोशिश कर रहा है लेकिन ऐसा नहीं कर पा रहा है। एक बार खरीदे जाने के बाद ये ड्रोन भारत को नई क्षमताएं देंगे। सूत्रों ने कहा कि देश के विरोधी चिंतित हैं और अधिग्रहण प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं।

प्रक्रिया के अगले चरण में बिडेन प्रशासन को अनुरोध पत्र और अमेरिकी सरकार से प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र प्राप्त करना शामिल है। यह पत्र अमेरिकी कांग्रेस से अनुमोदन के बाद अमेरिकी सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसके बाद, अनुबंध वार्ता समिति (सीएनएस) कैबिनेट सुरक्षा समिति (सीसीएस) द्वारा अनुमोदन के लिए जाने से पहले समझौते की शर्तों को अंतिम रूप देगी। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद ही वास्तविक कीमत और अनुबंध की शर्तों का पता चलेगा।

अमेरिकी रक्षा फर्म जनरल एटॉमिक ने भारत को 3.072 अरब डॉलर की कीमत पर 31 एमक्यू9बी ड्रोन की पेशकश की है, जो बातचीत का विषय है। उनमें से कुछ को शेल्फ से खरीदा जाएगा और कुछ को भारत में बनाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, तीनों सेनाओं के लिए 31 ड्रोन की आवश्यकता भौगोलिक और समुद्री पड़ोस को ध्यान में रखते हुए भारत की जरूरतों और आवश्यकताओं के वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित है और एकीकृत रक्षा सेवाओं द्वारा अनुशंसित है।

डोनाल्ड ट्रंप ने उन पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली महिला पर जवाबी मुकदमा दायर किया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली स्तंभकार पर जवाबी मुकदमा दायर करते हुए दावा किया है कि शिकायकर्ता पर उनके पैसे बकाया है और जूरी द्वारा इस बात से इनकार करने के बाद भी वह उन्हें बदनाम करने के लिए इस बात पर जोर देती रही कि उसके साथ बलात्कार हुआ है। अमेरिका में मैनहट्टन फैडरल ज्यूरी ने पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को वर्ष 1996 में स्तंभकार ई. जीन कैरल का यौन उत्पीड़न और उनकी मानहानि करने का दोषी पाया था। अदालत ने ट्रंप पर 50 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया था। हालांकि, अदालत ने कहा था कि कैरल यह साबित करने में विफल रहीं कि ट्रंप ने उनके साथ बलात्कार किया था। कैरल ने आरोप लगाया था कि पूर्व राष्ट्रपति ने मैनहैट्टन के एक डिपार्टमेंटल स्टोर में उनसे दुष्कर्म किया था। ट्रंप का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील अलीना हब्बा और माइकल टी. मदाइओ ने मंगलवार देर रात मुकदमा दाखिल कर कहा कि कैरोल को ट्रंप कोदंडात्मक क्षतिपूर्ति का भुगतान करना चाहिए और अपने मानहानिकारक बयानों को वापस लेना चाहिए।

महान आप्रवासियों की सूची में शामिल हुए विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क के कार्नेगी कॉर्पोरेशन द्वारा विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा को इस वर्ष की महान आप्रवासियों की सूची में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि भारतीय-अमेरिकी बंगा, जो इस साल शीर्ष बैंक के 14वें अध्यक्ष बने हैं। अजय बंगा विविध पृष्ठभूमि और क्षेत्रों के 35 सम्मानित लोगों में से हैं। जिनके योगदान और कार्यों ने अमेरिकी समाज और लोकतंत्र को समृद्ध और मजबूत किया। भारत से वह प्रतिष्ठित कार्नेगी सूची में एकमात्र सम्मानित व्यक्ति हैं, जिसने 2006 से 700 से अधिक महान आप्रवासियों का नाम दिया है। कार्नेगी के एक बयान में कहा गया कि प्रमुख पदों पर 30 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, बंगा से गरीबी से निपटने और जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के लिए विश्व बैंक में परिवर्तनकारी नीतियों की शुरुआत करने की उम्मीद है, अससे दुनिया भर के लोगों के लिए अवसर खुलेंगे। बंगा के संबन्ध में कहा गया कि हमें आप्रवासियों द्वारा पेश किए जाने वाले मूल्य और प्रतिभा को अपनाने के तरीके खोजने की जरूरत है, इनमें से सबसे महत्वपूर्ण बात उनकी विविधता है। उनके विविध दृष्टिकोण और अनुभव हमें मजबूत बनाते हैं। इस महीने की शुरुआत में, विश्व बैंक के नए अध्यक्ष बने बंगा इस संस्था का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय अमेरिकी हैं। उन्होंने भारत में अपना करियर शुरू किया। नेस्ले इंडिया में 13 साल और पेप्सिको में दो साल बिताए, और 1996 में, वह सिटीग्रुप में शामिल हो गए, और अंततः सीईओ के रूप में एशिया-प्रशांत क्षेत्र का नेतृत्व किया। बाद में अमेरिका चले जाने पर, उन्होंने कार्यकारी अध्यक्ष नामित होने से पहले 12 वर्षों तक मास्टरकार्ड के अध्यक्ष और सीईओ के रूप में कार्य किया। कई सम्मानों के बीच, उन्हें फॉरेन पॉलिसी एसोसिएशन मेडल, पद्मश्री और एलिस आइलैंड मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। कार्पोरेशन के अनुसार बंगा ने शिक्षकों, सलाहकारों, परोपकारी, नौकरी निर्माता, लोक सेवक, कहानीकार और वकील के रूप में अपने काम के माध्यम से दूसरों के लिए अवसरों को बढ़ावा दिया है।

बकरीद के मौके पर स्वीडन में कुरान जलाए जाने से भड़का विवाद

-मुस्लिम समुदाय हुआ नाराज, नाटो की सदस्यता के खिलाफ तुर्की ने डाला अड़ंगा

स्टॉकहोम (एजेंसी)। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में बकरीद के मौके पर कुरान जलाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार कुछ प्रदर्शनकारियों ने इस्लाम के पवित्र ग्रंथ कुरान का फिर से अपमान किया है। एक व्यक्ति ने सेंट्रल मस्जिद के अंदर पहले कुरान को फाड़ा और फिर जला दिया। बुधवार को हुई इस घटना के बाद उसका तुर्की के साथ विवाद बढ़ता दिख रहा है। स्वीडन की पुलिस की तरफ से इस प्रदर्शन को मिली मंजूरी के बाद इस घटना को अंजाम दिया गया है। हालांकि बाद में पुलिस ने बाद में उस व्यक्ति पर जातीय या राष्ट्रीय समूह के खिलाफ हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है। सलवान मोमिका नाम शख्स ने इस घटना को अंजाम दिया है। वह सेंट्रल मस्जिद के बाहर पुलिस अधिकारियों के पीछे से दो स्वीडिश झंडे लहराता हुआ दिखाई दिया। उस समय स्वीडन का राष्ट्रगान बज रहा था। कानों में एयरपॉड्स पहने और मुंह में सिगरेट लटकाकर उसने कुरान को बार-बार फाड़ा और फिर उसमें आग लगा दी।

बताया जा रहा है कि मोमिका एक इराकी शरणार्थी हैं और उनकी मंशा स्वीडन में कुरान को बैन कराना है।

स्वीडन में इस घटना ने मुस्लिम समुदाय को नाराज कर दिया है। यहां करीब 200 लोगों ने प्रदर्शन कर कुरान का बड़े पैमाने पर मजाक उड़ाया। मगर पुलिस की तरफ से इसे ज्यादा तवज्जो नहीं दी गई और उसे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया। देश में पिछले कुछ समय से इस्लाम के खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं। यह ताजा घटना ऐसे समय में हुई है जब नाटो का एक शिखर सम्मलेन होने वाला है जिसमें स्वीडन की सदस्यता पर फैसला होना है। घटना से नाराज तुर्की, स्वीडन की नाटो सदस्यता के खिलाफ है।

गौरतलब है कि पिछले साल यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से ही स्वीडन, नाटो सदस्यता की मांग कर रहा है। लेकिन गठबंधन के सदस्य तुर्की ने इसमें अड़ंगा डाल दिया है। तुर्की ने स्वीडन पर उन लोगों को शरण देने का आरोप लगाया है जिन्हें वह आतंकवादी मानता है। साथ ही उसने स्वीडन से ऐसे लोगों के प्रत्यर्पण की मांग भी की है। तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फिदान ने एक ट्वीट में स्वीडन में हुई घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर इस्लाम विरोधी विरोध प्रदर्शन की अनुमति देना हरगिज बर्दाश्त नहीं है।

पवित्र हज यात्रा से सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था को बूम देने की तैयारी में जुटे सऊदी किंग सलमान

-इस बार रिकॉर्ड 25 लाख हजयात्री पहुंचे सकते

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब के पवित्र मक्का शहर में लाखों की तादाद में दुनिया के 160 देशों से मुसलमान हज करने के लिए पहुंचे हैं। करीब 42 डिग्री सेल्सियस की भीषण गर्मी में शैतान को पत्थर मारने की रस्म को अदा किया गया। सऊदी अरब का दावा है कि रिकॉर्ड 25 लाख लोग हज और उमरा के लिए मक्का पहुंच सकते हैं जो हज यात्रा के इतिहास में रिकॉर्ड होगा। हालांकि अभी यह आंकड़ा 18 लाख तक ही पहुंचा है। कोविड-19 के बाद पहली बार बिना किसी प्रतिबंध के हज का आयोजन हुआ है। कोरोना की वजह से पिछले साल केवल 10 लाख लोगों को ही हज की अनुमति दी गई थी। वहीं साल 2020 में केवल 10 हजार और साल 2021 में 59 हजार लोगों को इसकी अनुमति दी गई थी। सऊदी अरब में फिर से लाखों मुसलमानों के पहुंचने से प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बहुत खुश हैं।

दरअसल, तेल की खान कहलाने वाले सऊदी अरब को भविष्य की अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ा डर सता है। सऊदी अरब को अब यह महसूस होने लगा है कि अगर तेल के भंडार जल्द खत्म हो गया तब क्या होगा। वह भी तब जब दुनिया इलेक्ट्रानिक कारों की ओर बढ़ रही है और उसमें तेल की जरूरत नहीं होती है। इसकारण सऊदी सलमान के नेतृत्व में विजन 2030 का प्लान बनाया गया है। इसके तहत सऊदी अरब देश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना चाहता है। सऊदी अरब की नजर हज और उससे होने वाली अरबों डॉलर की कमाई पर है और इसकारण इस जमकर बढ़ावा दे रहा है। ताजा अनुमानों के मुताबिक वैश्विक बाजार में सऊदी अरब का हज टूरिज्म मार्केट 7 प्रतिशत सीएजीआर की दर से बढ़ने का अनुमान है। सऊदी अरब का हज और उमरा टूरिज्म बाजार साल 2032 तक 350 अरब डॉलर की आय तक पहुंचने का अनुमान है। कोरोना के पहले अनुमान लगाया गया था कि साल 2022 तक 10 दिन तक चलने वाले हज से होने वाली आय 30 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी और 1 लाख लोगों को हर साल नौकरियां मिलेंगी। उस समय 21 लाख लोगों के सऊदी अरब पहुंचने का अनुमान था।

सऊदी सरकार चाहती है कि साल 2030 तक हजयात्रियों की संख्या 30 लाख को पार कर कर जाए जिसे विश्लेषक बहुत ज्यादा महत्वाकांक्षी लक्ष्य मान रहे हैं। खबरों के मुताबिक कोरोना महामारी से सऊदी अरब जल्दी ही उबर गया है। यह सऊदी प्रिंस के साल 2030 के विजन के लिए बहुत अच्छा संकेत माना जा रहा है। सऊदी प्रिंस साल 2030 तक

तेल से अपनी निर्भरता को घटाना चाहते हैं और अर्थव्यवस्था में विविधता लाना चाहते हैं। सऊदी अरब सरकार ने हज को बढ़ावा देने के लिए मक्का में अरबों डॉलर खर्च करके बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचे को बनवाया है।

सऊदी सरकार मक्का के अबराज कुदाई में विशाल प्रॉजेक्ट चला रही है। इसमें दुनिया का सबसे बड़ा होटल भी शामिल है। इसमें 12 टॉवर हैं, जो 4 और 5 स्टार होंगे। प्रत्येक टॉवर 45 मंजिल ऊंचा होगा और इसमें 10 हजार बेडरूम, 70 रेस्त्रां, 4 हेलिपैड होंगे। इसके अलावा 5 फ्लोर होंगे, जिस पर सऊदी अरब के शाही परिवार के सदस्य शामिल होंगे। सऊदी अरब के हज मार्केट में एशिया, अफ्रीका और प्रशांत इलाके से हजयात्री शामिल हैं। हज यात्रा करना हर मुसलमान का सपना होता है और इससे सऊदी अर्थव्यवस्था को पर लग गया है।

अजीत पवार एनसीपी के पोस्टर से बाहर

नई दिल्ली । नई दिल्ली में एनसीपी की नेशनल एजुकेटिव कमेटी की मीटिंग हो रही है। इस मीटिंग के पोस्टर से अजीत पवार की तस्वीर गायब है ।पोस्टर में शरद पवार के साथ सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल की फोटो लगी हुई है। बैठक में सुप्रिया सुले को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के साथ महाराष्ट्र,हरियाणा, पंजाब, महिला, युवा, एवं लोकसभा समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं प्रफुल्ल पटेल को कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के साथ मध्यप्रदेश, राजस्थान और गोवा की जिम्मेदारी दी गई है ।अजित पवार खुद को पार्टी अध्यक्ष के दावेदार के रूप में प्रयास कर रहे थे। लेकिन अब पोस्टर से ही बाहर हो गए हैं।

कॉपीराइट उल्लंघन के मामले में घिरे राहुल गांधी, अपराधिक मामला दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 के संगीत कॉपीराइट उल्लंघन के मामले में दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जयराम रमेश और सुप्रिया श्रीनेत के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी इसको खारिज करने की याचिका हाईकोर्ट में लगाई गई थी। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने तीनों कांग्रेसी नेताओं द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए फैसला दिया है ।याचिकाकर्ताओं ने बिना अनुमति के सोर्स कोड के साथ छेड़छाड़ की है ।जो निस्संदेह कंपनी के कॉपीराइट का उल्लंघन है। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने कंपनी के कॉपीराइट को हल्के में ले लिया है। इसलिए प्रथम दृष्टया जांच में सबूत के तौर पर इन सभी को खारिज कर दिया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है, कंपनी ने जो एफआईआर दर्ज कराई है। उसमें धारा 120 बी, 403, 465 सहपाठी धारा 34 और कॉपीराइट अधिनियम की धारा 63 तथा आईटी अधिनियम की धारा 66 के अंतर्गत अपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। देश में इन दिनों अपराधिक मामले राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज कराने की एक मुहिम चल रही है। जिसमें राहुल गांधी घिरते हुए नजर आ रहे हैं।

दिल्ली हवाई अड्डे पर छह जिंदा कारतूस मिले, यात्री हिरासत में

नई दिल्ली । दिल्ली हवाई अड्डे पर दुबई जा रहे एक यात्री के सामान में छह जिंदा कारतूस मिले हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यात्री को हिरासत में ले लिया गया है। गाजियाबाद निवासी 43 वर्षीय अमरीश बिश्नोई एमिरेट्स की उड़ान से दुबई जाने वाला था। पुलिस के मुताबिक चेक-इन के बाद उसके सामान की स्क्रीनिंग के दौरान छह जिंदा कारतूस मिले। अधिकारी ने बताया, विमान में गोला-बारूद ले जाने के लिए उसके पास वैध दस्तावेज नहीं थे, लेकिन उसके पास उत्तर प्रदेश सरकार से पिस्तौल का अखिल भारतीय लाइसेंस था। आईजीआई पुलिस स्टेशन में शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

'बिना इजाजत सोसाइटी में बकरे की कुर्बानी गलत' : बॉम्बे हाई कोर्ट

मुंबई। मुंबई से सटे मीरा-भायंदर इलाके के एस्टेला बिल्डिंग की सोसाइटी में बकरे की कुर्बानी को लेकर शुरू हुए विवाद के बीच बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक अहम निर्देश दिया है. इसी तरह के एक अन्य मामले की सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाई कोर्ट ने निर्देश देते हुए कहा कि बिना इजाजत के सोसाइटी परिसर में जानवर की कुर्बानी देना पूरी तरह गलत है. ऐसा करने वालों के खिलाफ कोर्ट ने राज्य सरकार और महानगरपालिका प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. हाई कोर्ट ने पुलिस प्रशासन से भी कहा कि वे ऐसे मामले से निपटने के लिए जरूरी बंदोबस्त करे और जो इस तरह की हरकत करता है उसके खिलाफ कड़ा ऐक्शन ले. आपको बता दें कि मीरा-भायंदर से जुड़े मामले में हाईकोर्ट का यह निर्देश नहीं आया है. कोर्ट ने यह निर्देश मुंबई की ही एक अन्य सोसाइटी से जुड़ी याचिका के संबंध में दिया है. लेकिन मामला पूरी तरह से एक जैसा ही है. दरअसल मुंबई सेंट्रल के नाथानी नाम की इमारत में रहने वाले जैन समुदाय के लोगों के कहने पर हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी. संबंधित सोसाइटी में 60 बकरे लाए गए थे .इनकी कुर्बानी की जानी थी. जैन समुदाय के लोगों ने इस कुर्बानी पर रोक लगाने के लिए यह याचिका दायर की थी. याचिकाकर्ता के वकील मिखाइल डे ने सोसाइटी परिसर में बकरे की कुर्बानी का विरोध करते हुए मुंबई की एक सोसाइटी द्वारा कोर्ट में यह याचिका दायर की. इस याचिका पर खास सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कई अहम निर्देश जारी किए हैं. उन निर्देशों में सबसे अहम यह है कि सोसाइटी की अनुमति के बिना सोसाइटी परिसर में जानवरों की कुर्बानी देना गलत है. ऐसा किए जाने पर प्रशासन हस्तक्षेप करे और संबंधित शख्स के खिलाफ कार्रवाई करे.

आदिपुरुष के डायलॉग पर कुंभकरण ने भी लिया ऑब्जेक्शन

मुंबई । फिल्म आदिपुरुष के डॉयलाग्स को लेकर विवाद अभी थमा नहीं है। अब खुद कुंभकरण का किरदार निभाने वाले कलाकार ने भी इसका विरोध किया है। इस तरह से संवाद पर आपत्ति दर्ज कराने वालों की लिस्ट में फिल्म में कुंभकरण का किरदार निभाने वाले लवी पजनी का भी नाम शामिल हो गया है। उन्होंने आदिपुरुष के संवाद पर निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि फिल्म की ज्यादातर शूटिंग ग्राफिक्स के हिसाब से की है, इसलिए कलाकारों को स्टोरी प्ले के बारे में ज्यादा कुछ नहीं पता था। मीडिया को दिए इंटरव्यू में लवी पजनी ने कहा कि डायरेक्ट जो भी कहता है वो आपको करना होता है। क्योंकि आप अंडर कॉन्ट्रैक्ट में होते हैं। फिल्म कई भाग में बनती है, तो किसी को पता नहीं होता है कि ऑन स्क्रीन क्या जाने वाला है। एक हिंदू होने के नाते मुझे फिल्म के डायलॉग्स से ठेस पहुंची है। लवी पजनी ने फिल्म आदिपुरुष में अपने कुंभकर्ण के किरदार को लेकर भी खुलकर बात की। एक्टर ने बताया कि इस कैरेक्टर को करने के लिए उन्हें स्पेशल डाइट फॉलो करना पड़ा और 6-7 किलो वजन बढ़ाया। हालांकि आदिपुरुष अब बदले हुए डायलॉग के साथ सिनेमाघरों में चल रही है लेकिन फिल्म का क्रेज बहुत कम है। डायलॉग राइटर मनोज मुंतशिर के लिए मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को फिल्म की स्क्रीनिंग पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका में मनोज को हियरिंग के रूप में शामिल करने के आवेदन को अनुमति दे दी। इस संबंध में कोर्ट ने उन्हें नोटिस भी जारी किया। हाई कोर्ट ने केंद्र से यह भी पूछा है कि सिनेमैटोग्राफ एक्ट 1952 के तहत क्या कार्रवाई की जा सकती है। इस केस में अगली सुनवाई बुधवार को हुई। इससे पहले सोमवार को, इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने सेंसर बोर्ड और आदिपुरुष के निर्माताओं को कड़ी फटकार लगाई थी।

सलमान खान को जान से मारने की धमकी का ऑडियो वायरल

प्रयागराज । बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को जान से मारने की धमकी का ऑडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। हालांकि यह ऑडियो पिछले दिनों का बताया जा रहा है जो कि पुराना है। जिसमें शेरा खान नाम का शख्स अतीक और छोटा शकील का नाम लेकर बॉलीवुड के दबंग खान को जान से मारने की धमकी देते हुए सुनाई दे रहा है। ऑडियो में शख्स अपना नाम शेरा खान बताते हुए कहता है कि वह अतीक के लिए जान ले सकता और जान दे भी सकता है। सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो की जानकारी जब पुलिस को हुई तो उन्होंने इसकी पड़ताल की। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑडियो साल भर पुराना बताया जा रहा है। ऑडियो में जिस शेरा खान का जिक्र किया जा रहा है, बख्शी बाजार निवासी उस शख्स के खिलाफ कुछ दिन पहले भी एक केस लिखा गया था। शेरा के खिलाफ गोली मारकर हत्या की कोशिश समेत कई आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। पु?लिस इसे लेकर काफी संजीदा भी है।

झमाझम बारिश से सड़कें हुईं जलमग्न, जलभराव से लोग हो रहे परेशान

नई दिल्ली। पिछले तीन-चार दिनों से लगातार हो रही तेज बारिश से शहर की सड़कें जलमग्न हो गई हैं। इससे होने वाले जलभराव के कारण जनता परेशान हो रही है। गौरतलब है कि मानसून की दस्तक के बाद से दिल्ली-एनसीआर के इलाके में बीते पांच दिनों से लगातार झमाझम बारिश हो रही है। जहां बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है तो दूसरी ओर ऑफिस जाने वाले और काम करने वाले लोगों को जलभराव से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

'रात में आतंकवाद, दिन में व्यापार', विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को आड़े हाथ लिया

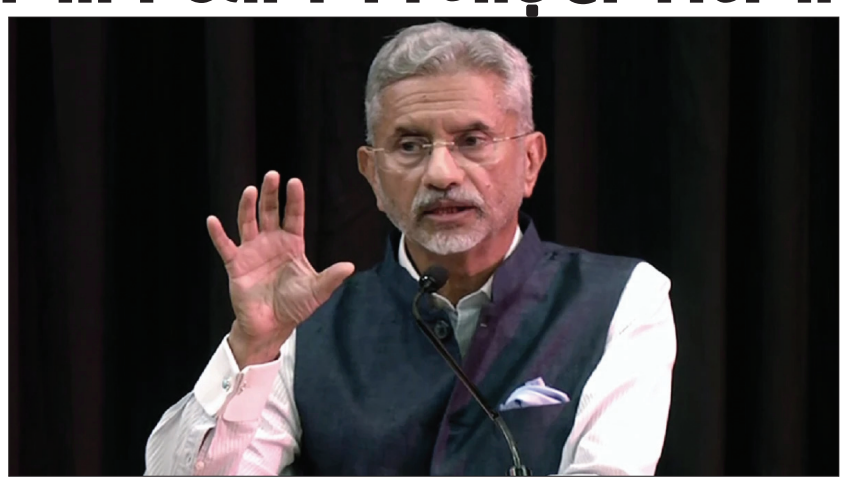

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि जब तक एक सदस्य देश आतंकवादी गतिविधियों में शामिल रहेगा, तब तक भारत सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) की बैठक नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि भारत ऐसी स्थिति को बर्दाश्त नहीं करेगा जहां 'आतंकवाद रात में होता है और व्यापार दिन में होता है'।

जयशंकर ने कहा, जब उनसे पूछा गया कि ऐसा क्यों नहीं हुआ नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में इंटरैक्टिव सत्र के दौरान हाल के दिनों में सार्क के बारे में बात की। उन्होंने कहा ÷आपने सार्क के बारे में बहुत कुछ नहीं सुना है क्योंकि, पिछले कुछ वर्षों में, इसके बारे में सुनने के लिए बहुत कुछ नहीं है। हमने बैठकें नहीं की हैं क्योंकि आपके पास सार्क का एक सदस्य है जो सभी बुनियादी आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है एक अच्छी सदस्यता क्या होती है, और यह आज सार्क के लिए एक बाधा वास्तविकता है। आप जानते हैं कि मैंने कहा था कि हम आतंकवादी कृत्यों को जारी नहीं रख सकते हैं और कहते हैं कि सहयोग फिर भी जारी रहेगा।

सार्क दक्षिण एशिया के आठ देशों का क्षेत्रीय अंतरसरकारी संगठन है, जिनमें बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं।पाकिस्तान के साथ नहीं बल्कि अन्य पड़ोसी देशों के साथ अच्छे रिश्ते रखने की बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि सीमा पार आतंकवाद के कारण उनके रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते।

जयशंकर ने कहा 'मैं कहूंगा कि जब पड़ोस की बात आती है तो पाकिस्तान स्पष्ट रूप से अपवाद है। फिर, इसे बहुत कम स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। तथ्य यह है कि हम आतंकवाद को सामान्य नहीं होने दे सकते। हम इसे हमारे साथ चर्चा में शामिल होने का आधार नहीं बनने दे सकते। इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह काफी सामान्य ज्ञान वाला प्रस्ताव है।'

उन्होंने कहा वास्तव में, अगर कुछ भी है, तो मैं अभी भी इस बात से थोड़ा हैरान हूं कि हम इस स्थिति पर पहले क्यों नहीं पहुंचे। लेकिन हम अब इस पर पहुंचे हैं। और मुद्दा वास्तव में यह है कि जब तक कोई प्रस्थान नहीं होता तब तक मैं इसे निरस्त करने की बात कहूंगा सीमा पार आतंकवाद की इस नीति का। स्पष्ट रूप से, उस विशेष पड़ोसी के साथ सामान्य संबंध रखना संभव नहीं है।

अमेरिका के साथ संबंधों पर, जयशंकर ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया वाशिंगटन यात्रा को यात्रा के ठोस नतीजों को देखते हुए 'सबसे उपयोगी' प्रधान मंत्री यात्रा बताया और कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध 'असाधारण रूप से अच्छे' हो गए हैं।

बकरीद की बधाई देकर फारूक अब्दुल्ला ने यूसीसी पर कहा, सरकार को तूफान के आने के बारे में सोचना चाहिए

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला गुरुवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर कुर्बानी की रस्म का जिक्र करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने सभी को बकरीद के त्यौहार की शुभकामनाएं दीं। इस दिन के बारे में जिक्र कर उनका गला भर आया। उन्होंने कहा, आज वहां दिन है जब अल्लाह के नाम पर हम कुर्बानी देते हैं। अल्लाह हमारी कुर्बानी कबूल करके हमारी मुश्किलों को कम करे। और हम लोगों को अमन से, चैन से रहने दे। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें (केंद्र सरकार को) सोचना चाहिए कि देश विविधतापूर्ण है, यहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं और मुसलमानों का अपना शरीयत कानून है। उन्हें ऐसा करने (यूसीसी लागू करने) से आने वाले किसी भी संभावित तूफान के बारे में सोचना चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कहा, देखिए सबसे पहली चीज जो मैं आपसे कहूंगा, आजकल ये जो कर रहे हैं कि यूनिफार्म सिविल कोड होना चाहिए। मैं समझता हूं कि उन्हें सोचना चाहिए। यह मुल्क डाइवर्स है। इसमें हर किस्म के लोग रहते हैं, हर मजहब रहता है, हर जुबान के लोग रहते हैं और हर सोच के लोग रहते हैं। मुसलमानों का अपना शरीयत कानून है, उसकी तरफ भी नजर रखनी चाहिए। वहीं पीएम मोदी ने जिस दिन यह बयान दिया, उसी रात ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अधिकारियों ने एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर यूसीसी का विरोध करने का फैसला किया।

आप-शिवसेना ने किया यूसीसी का समर्थन, कांग्रेस ने की मुखालफत

-एकजुट विपक्ष को यूसीसी ने किया परेशान, अकाली दल भी करेगा विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूसीसी को लेकर देश में इस समय काफी बहस चल रही है। राजनीतिक पार्टियों में जहां विरोध का स्वर मुखरित हो रहा है वहीं कुछ दल सपोर्ट भी कर रहे हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यूसीसी की जोरदार वकालत की थी और कहा था कि इस संवेदनशील मुद्दे पर मुसलमानों को भड़काया जा रहा है। हालांकि इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों की राय बंटी हुई नजर आ रही है। आम आदमी पार्टी सैद्धांतिक समर्थन की बात करती नजर आ रही है तो वहीं कांग्रेस की मुखालफत स्पष्ट रूप से सामने आ रही है। एनसीपी ने इन सब के बीच न्यूट्रल रहने का रास्ता चुना है। जबकि एनडीए की पुरानी सहयोगी अकाली-जदयू राजनीतिक लाभ के लिए यूसीसी का मुद्दा उठाने की बात करते नजर आ रहे हैं। अकाली दल जरुर विरोध करने पर उतारु है।

इधर आम आदमी पार्टी (आप) ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को अपना सैद्धांतिक समर्थन दिया, किंतु यह भी कहा कि सभी हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श के बाद आम सहमति से ही इसे लाया जाना चाहिए। आप के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक ने कहा कि सरकार को इस प्रस्ताव पर सभी हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श करना चाहिए जिसमें राजनीतिक दल और गैर-राजनीतिक संस्थाएं शामिल हों। पाठक ने कहा कि आप सैद्धांतिक रूप से यूसीसी का समर्थन करती है। संविधान का अनुच्छेद 44 भी इसका समर्थन करता है। लॉ कमीशन की ओर से यूसीसी पर धार्मिक संगठनों और जनता से राय मांगी गई थी। लॉ कमीशन के कदम के बाद शिवसेना उद्धव गुट के नेता उद्धव ठाकरे ने भी यूसीसी का समर्थन किया था।

वहीं मुस्लिम नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुंबई में उद्धव ठाकरे से मुलाकात की और इसके बाद कहा कि अगर केंद्र सरकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करती है तो इसका असर केवल मुसलमानों पर नहीं बल्कि सभी समुदायों पर पड़ेगा। प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने दावा किया कि ठाकरे ने उन्हें मामले पर गौर करने का आश्वासन दिया है। यूसीसी पर शरद पवार की पार्टी भी विपक्षी खेमे से अलग खड़ी नजर आ रही है। पार्टी ने कहा है कि वो यूसीसी का न तो समर्थन करेगी और न ही इसका विरोध करेगी। एनसीपी राष्ट्रीय सचिव नसीम सिद्दीकी ने कहा कि यूसीसी का तुरंत विरोध नहीं होना चाहिए बल्कि इस पर व्यापक चर्चा की जरूरत है।

शिरोमणि अकाली दल ने यूसीसी का विरोध किया है। दल के नेता दलजीत सिंह चीमा ने ट्वीट करते हुए कहा कि शिअद का दृढ़ मत है कि यूसीसी का कार्यान्वयन देश में अल्पसंख्यकों के हित में नहीं है और केंद्र सरकार को इसे लागू करने के विचार को स्थगित कर देना चाहिए। वहीं जनता दल यूनाइटेड (जद यू) ने अगले साल के लोकसभा चुनाव से पहले समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को आगे बढ़ाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास को राजनीतिक स्टंट करार दिया और दावा किया कि उनके बयान का अल्पसंख्यकों के कल्याण से कोई लेना-देना नहीं है। जद-यू प्रवक्ता के सी त्यागी ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 44 कहता है कि राज्य अपने सभी नागरिकों को यूसीसी देने का प्रयास करेगा।

इधर भारत की शीर्ष मुस्लिम संस्था, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने एक आपातकालीन बैठक की जिसमें सदस्यों ने यूसीसी का विरोध करने का निर्णय लिया और इसके कानूनी पहलुओं पर चर्चा की। बोर्ड के सदस्यों ने निर्णय लिया कि मुस्लिम लॉ बोर्ड यूसीसी पर विधि आयोग के सामने अपना पक्ष रखेगा और दस्तावेज भी पेश करेगा। वहीं कांग्रेस की सहयोगी और केरल में विपक्षी यूडीएफ गठबंधन में शामिल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू करने का मुद्दा केवल अगले साल लोकसभा चुनाव से पहले चुनावी एजेंडे के तौर पर आगे बढ़ा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की तैयारियों पर अनिश्चितता के बादल, आखिर क्यों प्रियंका ने बंद कर दिया प्रदेश का दौरा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऐसे समय में जब सभी राजनीतिक दलों ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। अपने कार्यकर्ताओं को आगे की लड़ाई के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की तैयारियों पर अनिश्चितता मंडरा रही है, क्योंकि इसकी राज्य कार्यकारी समिति की घोषणा लंबे समय से लंबित है। एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा यूपी कांग्रेस मामलों में सक्रिय रूप से शामिल नहीं हैं। उनकी आखिरी लखनऊ यात्रा जून 2022 में पार्टी के तत्कालीन 'नवसंकल्प शिविर' के हिस्से के रूप में हुई थी

जबकि यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी का दावा है कि उन्होंने नई कार्यकारिणी समिति के लिए नाम पार्टी आलाकमान को भेज दिए हैं, लेकिन अभी तक सूची को मंजूरी नहीं दी गई है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि आलाकमान इसमें कुछ बदलाव कर सकता है। खाबरी को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (यूपीसीसी) प्रमुख का पद संभाले हुए नौ महीने हो गए हैं। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू द्वारा 2022 के विधानसभा चुनाव में हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने के बाद उन्हें इस पद के लिए प्रियंका की पसंद के रूप में देखा गया था। पूर्व बसपा नेता और सांसद, खाबरी को पार्टी के दलित चेहरे के रूप में पेश किया गया था, जो कई वर्षों से राज्य में अपने पुनरुद्धार की उम्मीद कर रही थी।

इन वरिष्ठ नेताओं को छह अलग-अलग क्षेत्रों का प्रभार सौंपा गया। अगला कदम खबरी की सहायता के लिए एक राज्य कार्यकारी समिति का गठन करना था। हालाँकि, नौ महीने बाद भी, यूपीसीसी को अभी तक अपनी नई समिति नहीं मिली है, जबकि खबरी विभिन्न मुद्दों पर अभियान की योजना बना रहा है। वह अब स्वयं संभागीय बैठकें आयोजित कर रहे हैं और जुलाई के पहले सप्ताह में बैठकों के एक और सेट की योजना बनाई है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि जिस तरह से यहां चीजें चल रही हैं, यह स्पष्ट है कि प्रियंका जी ने उत्तर प्रदेश छोड़ दिया है। कुछ लोग कह रहे हैं कि राहुल गांधी की टीम कुछ हद तक कमान संभाल सकती है, या उत्तर प्रदेश को पूरी तरह से नया चेहरा दिया जा सकता है।

कोई भी बिहार आने के लिए स्वतंत्र है, नीतीश कुमार ने अमित शाह की यात्रा पर कहा

पटना (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बृहस्पतिवार को बिहार के लखीसराय की यात्रा से पहले सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हर कोई राज्य में आने के लिए स्वतंत्र है। पटना में 23 जून को हुई विपक्षी दलों की बैठक के बाद शाह का बिहार दौरा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किसी शीर्ष नेता की पहली यात्रा है। विपक्षी दलों के बैठक का मकसद अगले वर्ष होने वाले आम चुनाव में भाजपा के खिलाफ एकजुट होने और पार्टी को हराने की रणनीति तैयार करना था। नीतीश ने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान वह समान नागरिक संहिता पर प्रधानमंत्री की पुरजोर वकालत के मामले में प्रश्न से साफ बचते नजर आए।

अस्पताल से बाहर आते ही योगी सरकार पर बरसे चंद्रशेखर आजाद

नोएडा (एजेंसी)। भीम आर्मी नेता और आजाद समाज पार्टी-कांशीराम के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एसबीडी अस्पताल से छुट्टी मिल गई। सहारनपुर के देवबंद में बुधवार को उनपर गोली से हमला किया गया था। इस घटना में चंद्रशेखर आजाद बाल-बाल बच गए थे। उन्हें गोली छूकर निकली थी। इसके बाद उन्हें सहारनपुर में एसबीडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उन्होंने राज्य की योगी सरकार पर निशाना साधा है। चंद्रशेखर आजाद ने साफ तौर पर कहा कि मुझे गोली या बंदूक से नहीं डरा सकते।

योगी सरकार पर निशाना

चंद्र शेखर आज़ाद ने अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद कहा कि यह आज का हमला नहीं है, वंचितों पर तो सदियों से हमला होते आया है लेकिन आज कानून का राज है। उन्होंने कहा कि जब मेरे जैसे व्यक्ति के साथ ऐसा हो रहा है तो कानून व्यवस्था की क्या स्थिति है? पिछले 24 घंटे में क्या कार्रवाई हुई? उन्होंने कहा कि अपराधी अभी भी खुले आम घुम रहे हैं, यह बिना सत्ता के सरंक्षण के नहीं हो सकता। सरकार की घोर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का इस घटना पर बिल्कुल न बोलना स्पष्ट करता है कि वे अपराधियों को सरंक्षण दे रहे हैं।

भक्त हुए तैयार, आज से जय शिवशंकर के जयकारों से साथ रवाना होगा पहला जत्था

-गुफा मंदिर में पहली बार भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की तैनाती

जम्मू (एजेंसी)। शिवभक्तों के स्वागत के लिए पूरा जम्मू-कश्मीर तैयार है। एक जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए अभी तक करीब 3 लाख तीर्थ यात्री अग्रिम पंजीकरण करवा चुके हैं। भगवती नगर से शुक्रवार को श्रद्धालुओं का पहला जत्था पवित्र अमरनाथ गुफा के लिए रवाना होगा। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड और स्थानीय प्रशासन ने बताया कि भक्तों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर सभी प्रकार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके अलावा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं।

जम्मू-कश्मीर के प्रवेशद्वार लखनपुर से लेकर कश्मीर तक बुनियादी ढांचे के साथ अन्य जरूरी सुविधाओं को सुनिश्चित किया है। इस साल यात्रा में रिकार्ड तोड़ तीर्थ यात्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। पिछले साल 44 दिन की यात्रा में करीब 20 दिन खराब मौसम की भेंट चढ़े थे और यात्रा काफी प्रभावित हुई थी। इस बार सुरक्षा व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। गुफा मंदिर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जगह भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के कर्मियों की तैनाती हुई है, जो माउंटेन वारफेयर में ट्रेंड होते हैं।

जबकि आईटीबीपी और सीमा सुरक्षा बल लगभग आधा दर्जन शिविरों की निगरानी करेगा, जो पहले देश की प्राथमिक आंतरिक सुरक्षा बल सीआरपीएफ द्वारा सुरक्षित होते थे। सीआरपीएफ अब भी गुफा मंदिर की सीढ़ियों के नीचे सीधे तैनात रहेगी। सूत्रों ने बताया कि यह नई व्यवस्था 'उभरते सुरक्षा खतरों और चुनौतियों' को ध्यान में रखते हुए और 'जम्मू-कश्मीर पुलिस की आवश्यकताओं' के अनुसार बनाई गई है। सीआरपीएफ के साथ-साथ विभिन्न अन्य बलों को भी कार्य दिए गए हैं। क्योंकि सीआरपीएफ की कई कंपनियां मणिपुर में कानून और व्यवस्था की स्थिति और पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों के लिए भी काम कर रही हैं।

इसके अलावा, आईटीबीपी ने पिछले साल अमरनाथ यात्रा के दौरान अचानक आई बाढ़ के बाद भी राहत एवं बचाव कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अधिकारी ने दावा किया कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि आईटीबीपी एक पहाड़ी सेना है, जो प्राकृतिक त्रासदियों के लिए प्रशिक्षित है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने किसी भी आतंकी कार्रवाई का मुकाबला करने और आपदाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए इंटर-एजेंसी कोआर्डिनेशन और ड्रोन, डॉग स्क्वायड और एरियर सर्वे टीमों के उपयोग पर भी जोर दिया है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ के डॉग स्क्वाड की एक टीम पहले ही तैनात कर दी गई है, ताकि उन्हें ऊंचाई और ठंडे मौसम के अनुकूल बनाया जा सके।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 27 जून को अमरनाथ यात्रा की व्यापक सुरक्षा समीक्षा की। नॉर्थ ब्लॉक में आयोजित बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने की, जिसमें सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारी और खुफिया विभाग, सेना के अधिकारी शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस और प्रशासन तथा अमरनाथ श्राइन बोर्ड उपस्थित थे। इस वार्षिक तीर्थयात्रा की अवधि अबकी 62 दिनों की होगी, जो 1 जुलाई से शुरू होकर 31 अगस्त तक चलने वाली है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं

हमें लिखे या बताएँ

और समस्याएं का हल

संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार

संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों

और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों

की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com